दूरदर्शिता का महत्व

थॉमस जेफ़र्सन की कथा

लेखिका: ऐन डोनेगन जॉनसन

हिंदी: योगेश

दूरदर्शिता का महत्व

थॉमस जेफ़र्सन की कथा

लेखिका: ऐन डोनेगन जॉनसन

हिंदी: योगेश

मेरी, मार्शा, नैंसी, पैट्सी, ज्यूडी,
डॉली और डायेन को समर्पित।

यह कहानी थॉमस जेफ़रसन के बारे में है, जिन्होंने दूरदर्शिता का उपयोग करके अमेरिका के भविष्य को निर्धारित करने में सहायता की।

थॉमस जेफ़रसन के बारे में और अधिक ऐतिहासिक तथ्य पृष्ठ 63 पर पाए जा सकते हैं।

बहुत समय पहले की बात है, उन दिनों की जब अमेरिका अभी भी एक ब्रिटिश उपनिवेश था, एक लंबा-सा, रेतीले रंग के बालों वाला एक युवक रहता था, जिसका नाम थॉमस जेफ़रसन था।

थॉमस अपनी माँ और बहनों के साथ शैडवेल में रहता था, जो वर्जीनिया के उस हिस्से में स्थित एक बागान था जिसे आज हम अल्बेमार्ल काउंटी कहते हैं। वह घुड़सवारी करता था और शिकार करता था। वह रिवैना नदी में मछली पकड़ता और तैरता था। और वह लैटिन और ग्रीक का अध्ययन करता था।

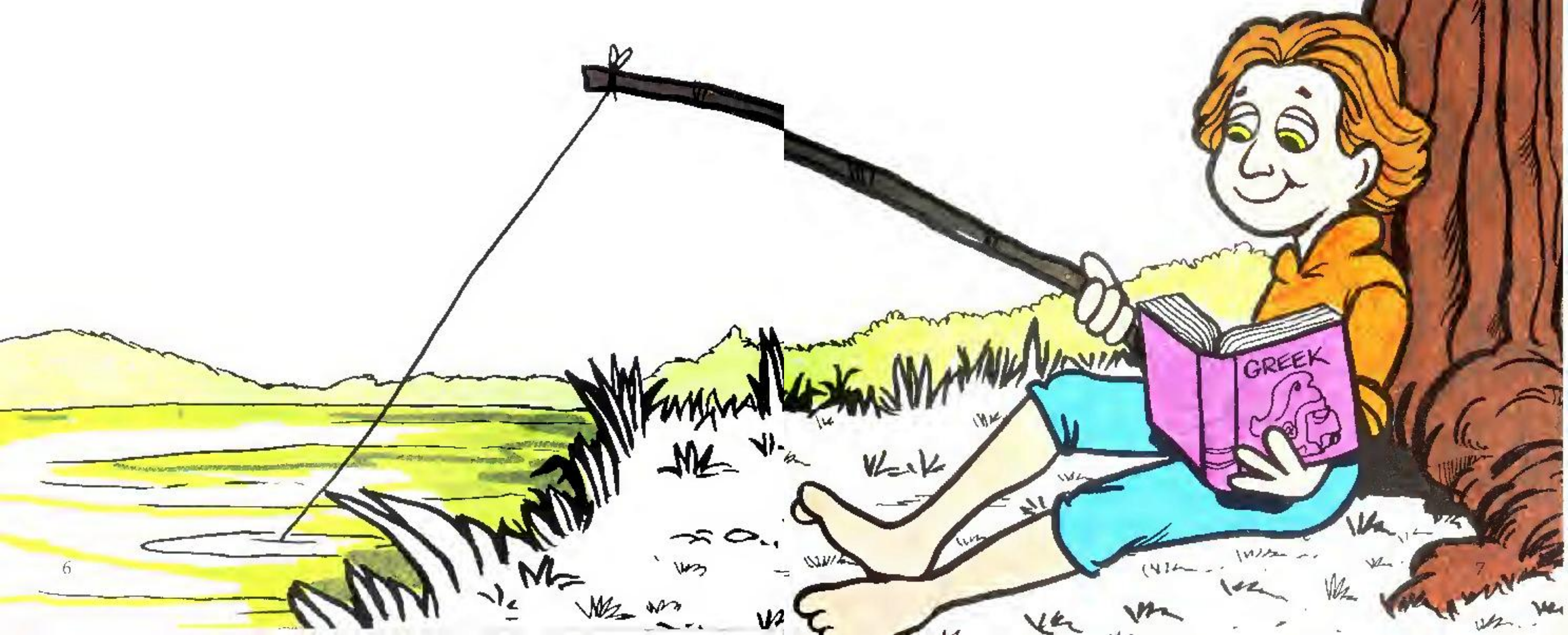

थॉमस जेफ़रसन के पिता की मृत्यु तब हो गई जब वह मात्र चौदह वर्ष का था, इसलिए युवा टॉम ने बहुत कम उम्र में ही अपने लिए सोचना सीख लिया। सत्रह वर्ष की आयु तक उसने यह तय कर लिया था कि लैटिन और ग्रीक बहुत अच्छी भाषाएँ हैं, लेकिन ऐसी और भी बहुत-सी बातें हैं जिन्हें उसे जानना चाहिए।

"मैं विलियम्सबर्ग जाकर कॉलेज ऑफ़ विलियम एंड मैरी में पढ़ना चाहता हूँ," उसने अपने अभिभावक से कहा। "मैं गणित सीखना चाहता हूँ।"

टॉम के अभिभावक यह सुनकर बहुत प्रसन्न हुए। "तुम दूरदर्शिता दिखा रहे हो, टॉम। भविष्य के लिए योजना बनाना बहुत ज़रूरी है!" उन्होंने अनुमति दे दी, और टॉम विलियम्सबर्ग के लिए निकल पड़ा।

शैडवेल से आए इस लड़के के लिए विलियम्सबर्ग एक बेहद रोमांचक जगह थी। वहाँ का कॉलेज उपनिवेशों में दूसरा सबसे पुराना कॉलेज था। यह नगर वर्जीनिया की राजधानी भी था, और गवर्नर वहाँ गवर्नर पैलेस नामक एक भव्य भवन में रहता था।

गवर्नर को जनता द्वारा नहीं चुना जाता था। क्योंकि वर्जीनिया एक ब्रिटिश उपनिवेश था, इसलिए उसे इंग्लैंड के राजा द्वारा नियुक्त किया जाता था।

विलियम एंड मैरी कॉलेज में कई उत्कृष्ट प्रोफेसर थे। उनमें से एक, विलियम स्मॉल नामक व्यक्ति, गणित और भौतिकी, खगोलशास्त्र और दर्शन पढ़ाते थे। वे स्कॉटलैंड से थे जिन्हें पढ़ाना बहुत पसंद था, और जो अच्छे विद्यार्थियों को भी बहुत पसंद करते थे। टॉम और उनके बीच बहुत अच्छी बनती थी।

"आओ, टॉम," उन्होंने एक दिन जेफ़रसन से कहा। "मैं तुम्हें अपने कुछ मित्रों से मिलवाना चाहता हूँ।"

स्मॉल ने टॉम का परिचय फ्रांसिस फ़ॉकीयर से कराया, जो वर्जीनिया के शाही गवर्नर थे, और जॉर्ज वाइथ से भी।

"मैंने जॉर्ज वाइथ के बारे में सुना है," जेफ़रसन ने स्मॉल से फुसफुसाकर कहा। "वह उपनिवेशों के सबसे प्रतिभाशाली वकीलों में से एक हैं, है न?"

"निस्संदेह," स्मॉल ने कहा। "वे लैटिन और ग्रीक के भी महान विद्वान हैं। टॉम, उन पर ज़रूर ध्यान देना। ऐसे व्यक्ति से तुम बहुत कुछ सीख सकते हो।"

गवर्नर फ़ॉकीयर को मेहमाननवाज़ी बहुत पसंद थी, और टॉम को अक्सर महल में आमंत्रित किया जाता था। फ़ॉकीयर को संगीत भी प्रिय था, और टॉम वायलिन बजा सकता था। इस तरह टॉम गवर्नर के संगीत समूह का हिस्सा बन गया।

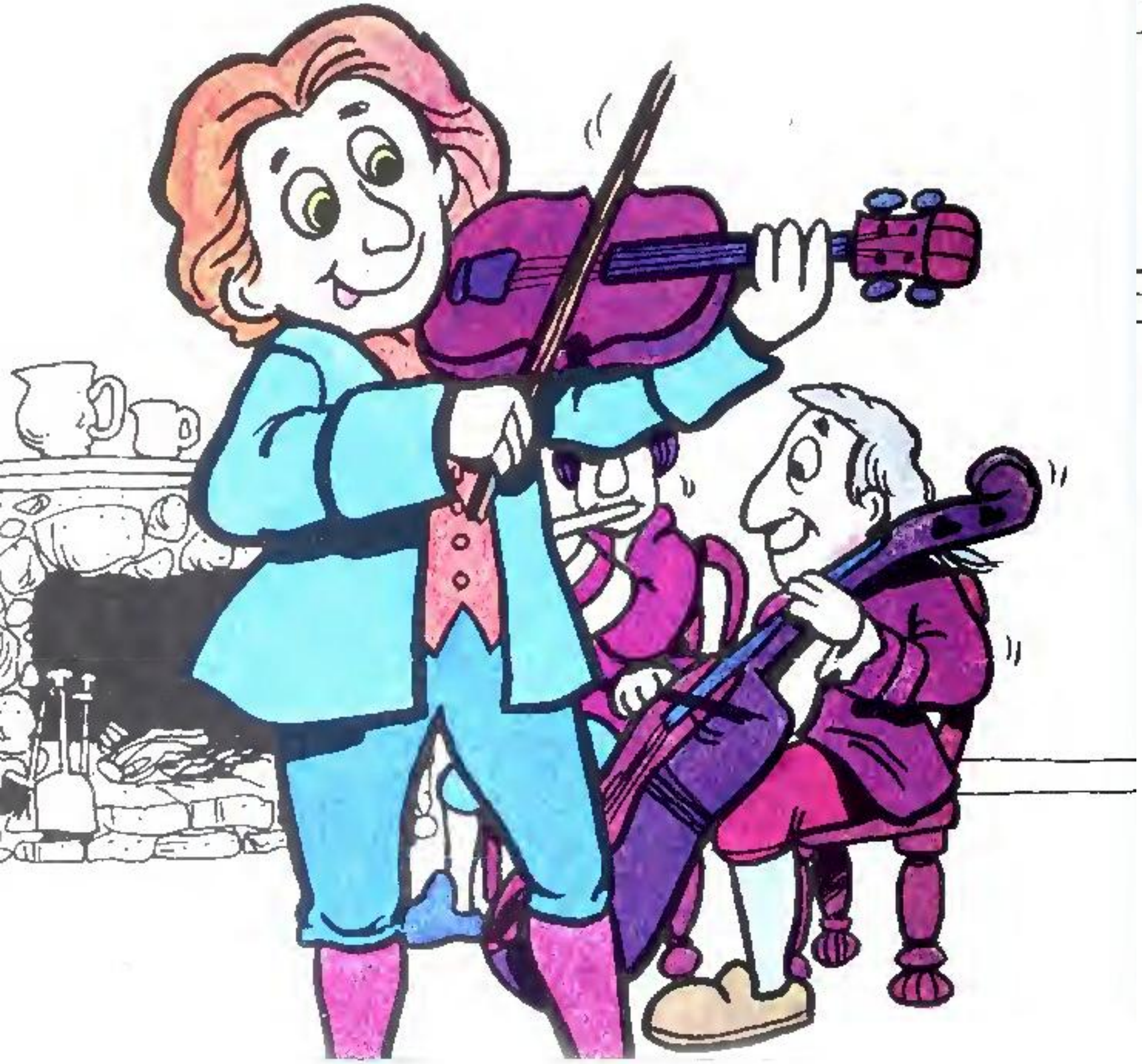

जब वह संगीत नहीं बजा रहा होता, तब टॉम गवर्नर के ड्रॉइंग रूम में होने वाली बातचीत सुनता था। उसने जॉर्ज वाइथ और अन्य प्रतिष्ठित मेहमानों को क़ानून और न्याय पर बहस करते सुना। वे कर्तव्य और दर्शन पर, यहाँ तक कि विज्ञान पर भी चर्चा करते थे। टॉम मंत्रमुग्ध हो जाता था। वह इतनी ध्यान से सुनता और इतने पैने प्रश्न पूछता कि देहात से आए इस लड़के में बाकी मेहमानों की भी दिलचस्पी जाग उठी।

“यह लड़का बहुत पढ़ा-लिखा है और इसका दिमाग़ बहुत तेज़ है,” विलियम स्मॉल ने कहा। “यह एक ऐसा युवक है जो आगे बढ़ने वाला है।”

विलियम्सबर्ग में जेफ़रसन सचमुच आगे बढ़ रहा था। वह गवर्नर पैलेस जाता था, नृत्यों और शिकारों में भाग लेता था। वह नगर के कुछ प्रमुख लोगों के साथ चाय भी पीता था, लेकिन वर्ष के अंत से पहले ही उसने महसूस किया कि वह खुश नहीं है।

"मैं समय बर्बाद कर रहा हूँ!" उसने एक सुबह खुद से कहा।

"अगर मैं शैडवेल में ही रहता, तो इससे अधिक समय तो हरगिज़ बर्बाद नहीं करता।"

"अच्छा है कि तुम्हें आखिरकार इसका एहसास हो गया," एक छोटी-सी, झंकार जैसी आवाज़ ने कहा।

टॉम चौंक पड़ा। उसे लगा कि वह बातें सुन रहा है—और चीज़ें देख भी रहा है। उसकी जेब घड़ी, जो मेज़ पर चुपचाप पड़ी थी, अब उसे क्रोध से देख रही थी और काफ़ी सख़्ती से डाँट रही थी।

"नाचने और शिकार करने में वास्तव में कुछ भी ग़लत नहीं है," घड़ी ने कहा। "लेकिन अगर तुम कॉलेज में अपना सारा समय नाचने और लोगों को खुश करने में ही बिताने वाले हो, तो मुझे वापस शैडवेल भेज दो, क्योंकि मैं तो तुम्हारे किसी काम की नहीं रहूँगी!"

टॉम हँस पड़ा। वह अच्छी तरह जानता था कि जेब-घड़ियाँ बोलती नहीं हैं। वह तो बस अपने ही मन की कही बात सुन रहा था। और जो कुछ उसने सुना, वह उसे अच्छा लगा।

"ठीक है," उसने कहा। "अब से मैं सचमुच पढ़ाई करूँगा!"

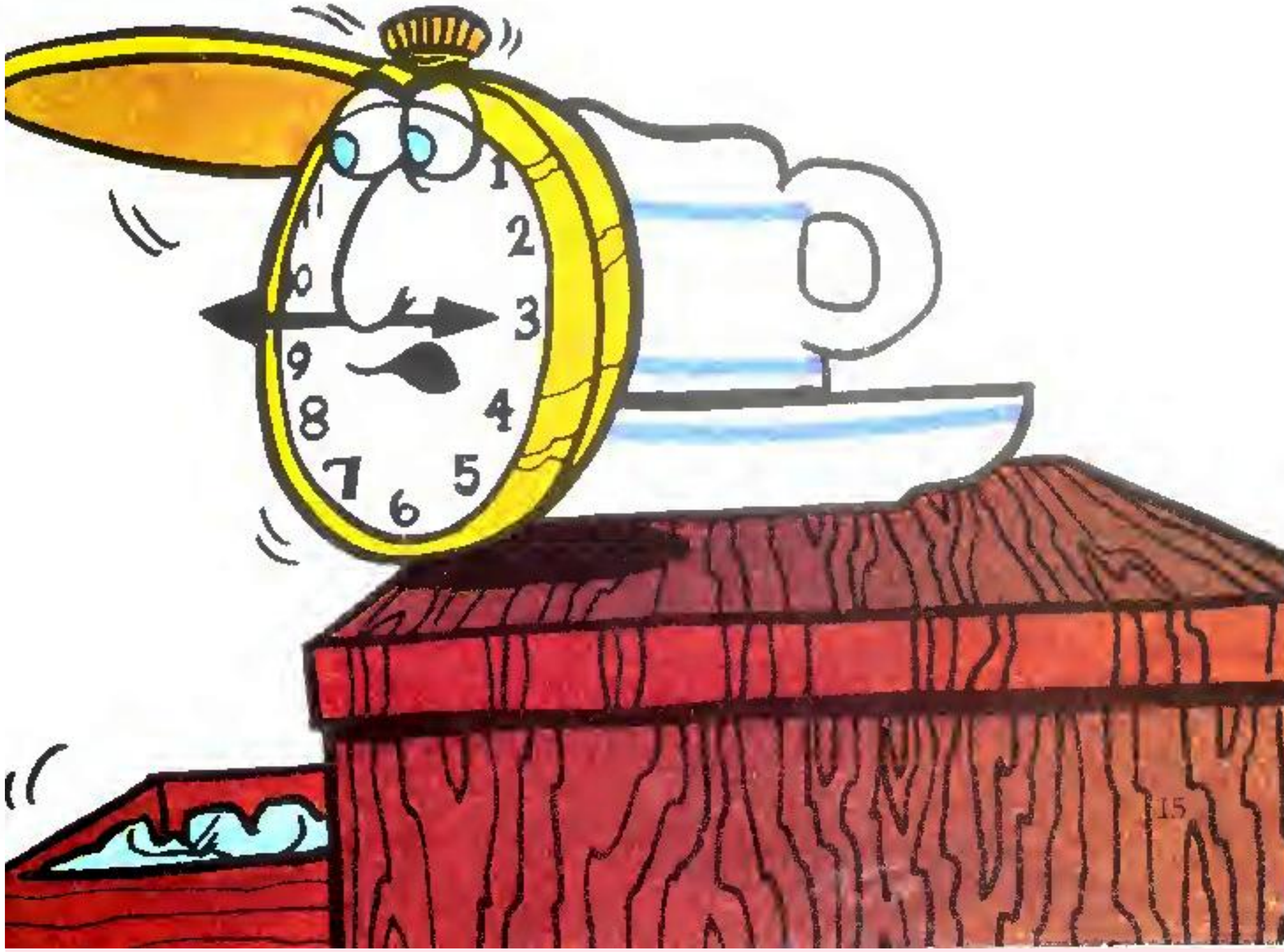

उस पूरी गर्मी टॉम ने कड़ी मेहनत से पढ़ाई की। पतझड़ में वह फिर कॉलेज लौटा और और भी अधिक मेहनत करने लगा। कभी-कभी वह सूरज उगने से पहले ही बिस्तर से उठकर पढ़ाई शुरू कर देता था।

वह अपनी घड़ी को अपने पास ही रखता था—शायद इसलिए कि उसे ज़ोर से बातें करना पसंद था, या शायद इसलिए कि उसे एक काल्पनिक मित्र रखना मज़ेदार लगता था। उसने घड़ी का नाम "चाइम्स" रखा, मानो वह कोई बड़ी और महत्वपूर्ण घड़ी हो। वह चाइम्स की बात मानता था और समय बर्बाद नहीं करता था।

सांझ के समय, जब टॉम दिन भर पढ़ाई कर चुका होता, चाइम्स उसे याद दिलाती कि अब थोड़ा विश्राम करने का समय है। तब वे दोनों एक-दो मील दौड़ने निकल जाते।

जब टॉम उन्नीस वर्ष का हुआ, तो उसने विलियम एंड मैरी से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। वह लैटिन, ग्रीक, फ्रेंच और इतालवी जानता था। उसने प्राचीन दार्शनिकों की रचनाएँ पढ़ी थीं और अठारहवीं शताब्दी के वैज्ञानिकों के कार्यों का अध्ययन किया था। उस समय, जब किताबें महँगी और दुर्लभ होती थीं, उसके पास सैकड़ों पुस्तकों का एक निजी पुस्तकालय था।

"मुझे तुम पर गर्व है," चाइम्स ने कहा। "क्या तुम्हें पता है कि तुम वर्जीनिया के सबसे शिक्षित लोगों में से एक हो?"

टॉम मुस्कराया। "अगर हम हमेशा कुछ न कुछ करते रहें, तो कितना कुछ किया जा सकता है—यह सचमुच अद्भुत है," उसने कहा।

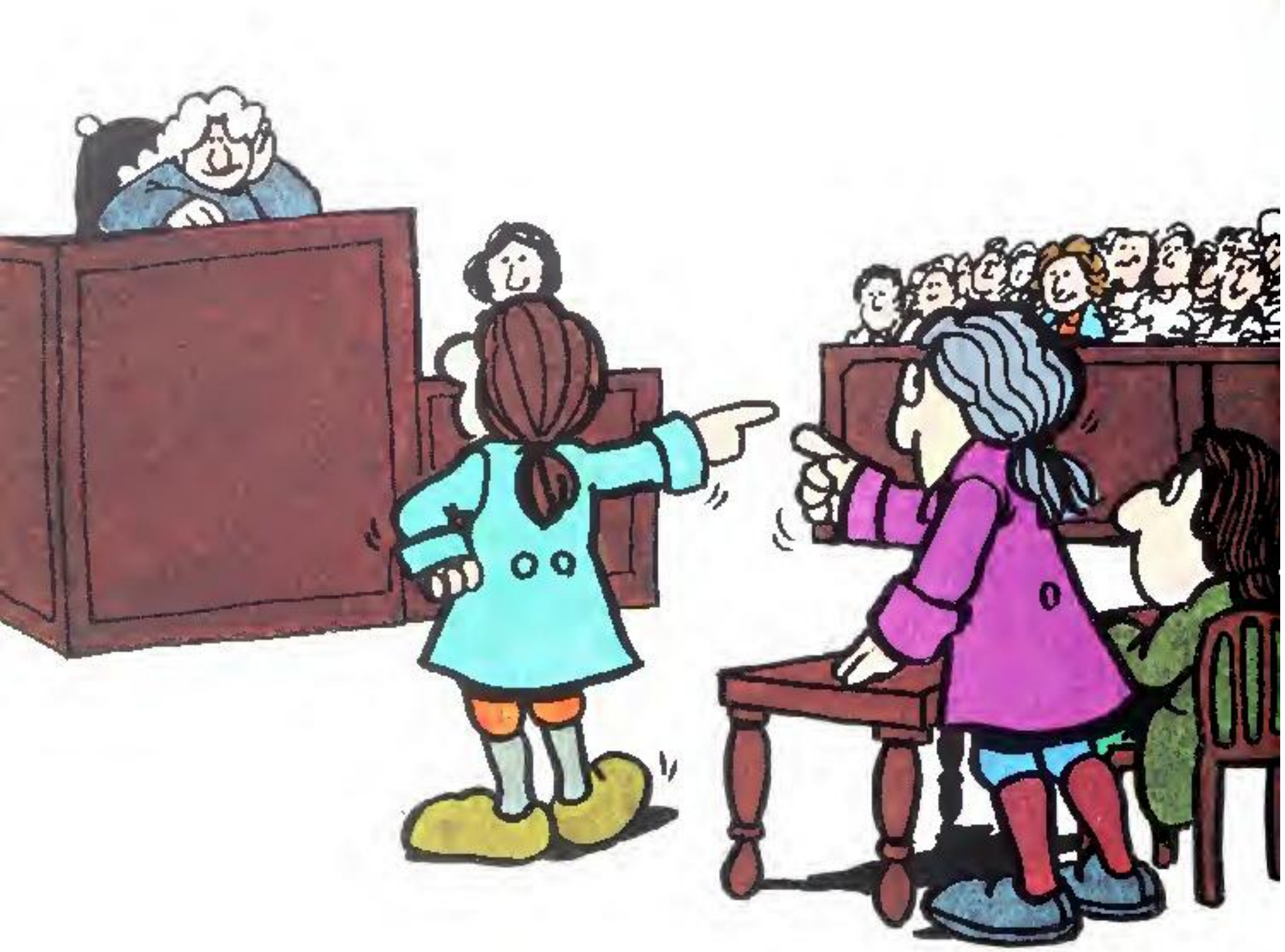

अब टॉम को यह तय करना था कि वह अपना शेष जीवन कैसे बिताएगा। "सिर्फ़ वर्जीनिया का एक बागान-मालिक बनना भी सुखद हो सकता है," उसने कहा। "लेकिन यह एक नया देश है, और मैं इसे अच्छा बनाने में मदद करना चाहता हूँ। मैं वकील बनना चाहता हूँ।"

"यह तो बड़ी दूरदर्शी सोच है!" चाइम्स ने प्रशंसा की। "अमेरिकी उपनिवेशों में हमें वकीलों की काफी ज़रूरत पड़ेगी।"

उन दिनों क़ानून के विद्यालय नहीं होते थे। जो युवक वकील बनना चाहते थे, वे क़ानून के बारे में पढ़कर, देखकर और करके ही सीखते थे। वे क़ानून की किताबें पढ़ते थे। वे वकीलों के लिए छोटे-मोटे काम करते थे, और मुक़दमों की तैयारी में उनकी मदद करते थे। वे अनुभवी वकीलों को अदालत में पेश होते हुए भी ध्यान से देखते थे।

टॉम अपने मित्र जॉर्ज वाइथ के यहाँ काम करने लगा। जब भी वह कुछ नया सीखता, तो उसे अपनी नोटबुक में लिख लेता। टॉम ने पाया कि उसे क़ानून से प्रेम हो गया है।

"मैंने सही चुनाव किया है, चाइम्स," उसने अपनी टिक-टिक करती छोटी घड़ी से कहा।

"मुझे तो यही लगा था," चाइम्स ने कहा, "और यह देखकर मुझे खुशी है कि तुम जो कुछ भी सीखते हो, उस पर नोट्स लेने की दूरदर्शिता रखते हो।"

जब टॉम तेईस वर्ष का हुआ, तब उसने अपनी परीक्षाएँ पास कीं और वकील बन गया। यद्यपि वह युवा था, फिर भी वह बहुत सफल रहा। कई प्रतिष्ठित लोग चाहते थे कि वह अदालत में उनका मुकदमा लड़े।

लेकिन जल्द ही टॉम को लगा कि मुकदमेबाज़ी बहुत थकाने वाला काम है।

“चाइम्स, मुझे लगता है कि अगर मैं राजनीति में जाऊँ तो अपने लिए और अपने देशवासियों के लिए ज़्यादा काम कर सकता हूँ,” उसने कहा।

“बहुत बढ़िया!” चाइम्स ने उत्साह से कहा। “इस तरह तुम सिर्फ़ अदालत में क़ानून का अभ्यास करने के बजाय, क़ानून बनाने में भी हाथ बँटाओगे।”

और इस तरह, 1769 में, जब टॉम जेफ़रसन छब्बीस वर्ष का था, वह हाउस ऑफ़ बर्गेसेज़ का सदस्य चुना गया। यह जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों का एक समूह था, जो वर्जीनिया के शासन में सहायता करता था। प्रतिनिधियों की बैठकें विलियम्सबर्ग में होती थीं, इसलिए टॉम फिर से अपने कॉलेज के दिनों के पुराने मित्रों के बीच आ गया, जो उसे बहुत अच्छा लगा।

लेकिन जब टॉम राजनीति में व्यस्त था, तब शैडवेल में एक भयानक घटना घटी। उसके घर में आग लग गई और वह पूरी तरह जलकर खाक हो गया!

“तुम्हारी अद्‌भुत लाइब्रेरी!” चाइम्स कराह उठा। वह और टॉम काले पड़ चुके उन खंडहरों को देख रहे थे। “वे सारी किताबें जो तुमने कॉलेज के दिनों में इकट्‌ठी की थीं। तुम्हारी सारी क़ानून की किताबें। वे तुम्हारे लिए कितनी मायने रखती थीं, और अब वे सब चली गईं!”

टॉम ने आह भरी। “बस एक ही चीज़ बची है—मेरी वायलिन,” उसने कहा। “कोई बात नहीं। जो हो गया, उसे बदला नहीं जा सकता। मैं एक नई लाइब्रेरी शुरू करूँगा, क्योंकि मुझे किताबें तो चाहिए।”

तब चाइम्स के मन में एक शानदार विचार आया। क्या तुम्हें पता है, वह क्या था?

"तुम एक नया घर भी बना सकते हो," उसने टॉम से कहा। "तुम्हें वास्तुकला में दिलचस्पी है। तुम्हें अपना खुद का घर बनाने पर काम करने में मज़ा आएगा।"

टॉम मुस्कराने लगा। "वह ज़रूर मज़ेदार होगा," उसने सहमति में कहा।

"रिवैना नदी के उस पार जो पहाड़ी है, उसे देखते हो?" चाइम्स ने पूछा।

"याद है, तुम नदी पार करके उस पहाड़ी पर चढ़ा करते थे? तुम चोटी पर बैठकर पढ़ाई किया करते थे। तुमने उस पहाड़ी को मोंटीसेलो कहा था, क्योंकि इतालवी भाषा में इसका अर्थ 'छोटी पहाड़ी' होता है। और तुमने कहा था कि बड़े होकर वहीं एक घर बनाओगे।"

"मुझे याद है!" टॉम ने उत्साह से कहा। "बिलकुल याद है। और मैं घर बनाऊँगा। मैं एक सुंदर घर बनाऊँगा, और उसे शानदार चीज़ों से भर दूँगा!"

इस तरह टॉम और चाइम्स मोंटीसेलो पर एक छोटे से ईंटों के कॉटेज में रहने लगे, और टॉम ने पहाड़ी पर अपने अद्भुत घर की योजनाओं पर काम शुरू कर दिया।

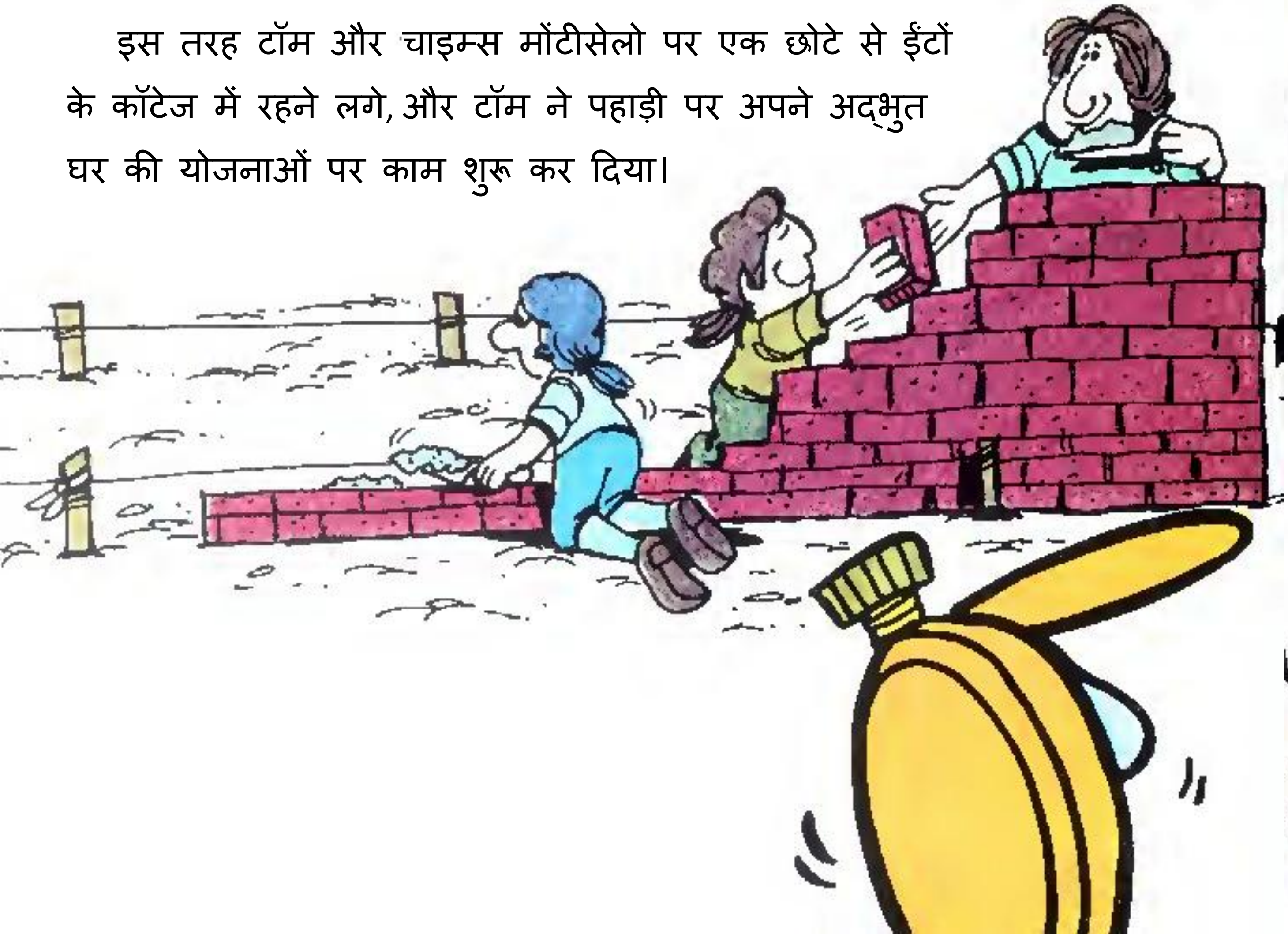

जब टॉम अभी भी हाउस ऑफ़ बर्गेसेज़ में था और मोंटीसेलो का निर्माण चल ही रहा था, तभी कुछ ऐसा हुआ जिसने टॉम का पूरा जीवन बदल दिया। यह सब एक पार्टी से शुरू हुआ, जहाँ मार्था वेइल्स नाम की एक अत्यंत आकर्षक युवती पियानो पर बैठी और बजाने लगी। वह गाती भी थी—और बहुत ही मधुर स्वर में। "वह कितनी प्यारी है!" टॉम ने चाइम्स से कहा। "चाइम्स, क्या तुम्हें नहीं लगता कि वह प्यारी है?"

चाइम्स एक झंकारती हुई हँसी हँसा। "मुझे क्या लगता है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता," उसने कहा। "अगर मैं गलत नहीं हूँ, तो तुम इस युवती के प्रेमपाश में बंध चुके हो!"

चाइम्स बिल्कुल सही था। इसके बाद के दिनों में टॉम अक्सर वहां जाता जहाँ वह युवती अपने पिता के साथ रहती थी। टॉम मार्था वेइल्स के साथ वायलिन बजाता। वह मार्था के साथ नाचता। वह मार्था के साथ घुड़सवारी करता।

फिर, 1772 के नए साल के दिन, तुम्हें क्या लगता है, क्या हुआ?

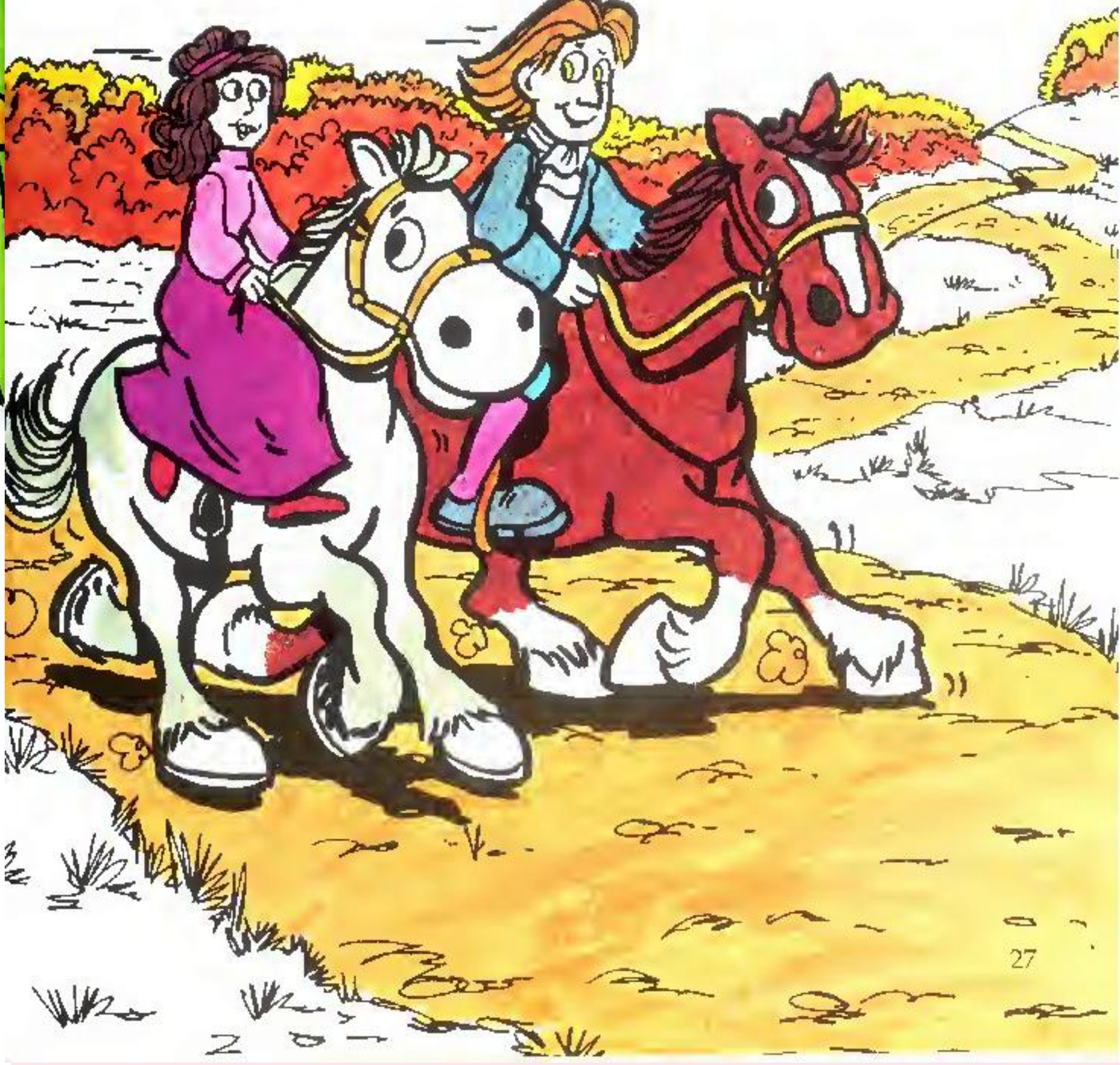

टॉम और मार्था का विवाह हो गया।

टॉम अपनी दुल्हन को लेकर मोंटीसेलो लौट आया।

“मुझे अफ़सोस है कि घर अभी पूरा नहीं हुआ है, मार्था,” टॉम ने माफ़ी माँगते हुए कहा।

“कोई बात नहीं। हम इसे मिलकर पूरा करेंगे,” मार्था ने दिलासा देते हुए उत्तर दिया।

“इस घर के लिए मेरे पास कितनी सारी योजनाएँ हैं!” टॉम ने उत्साह से कहा।

मार्था अपने आप मुस्करा उठी। “क्या ऐसा कोई विषय है जिसमें यह आदमी दिलचस्पी नहीं रखता?” उसने सोचा।

टॉम और मार्था ने मोंटीसेलो को एक अनमोल धरोहर बनाने वाले हर छोटे-बड़े विवरण पर ध्यान दिया। टॉम ने फूलों के बाग़ों की योजना बनाई और बाग़-बगीचों की रूपरेखा तय की। वह अपनी गार्डन बुक में उनकी बढ़त का सावधानी से रिकॉर्ड रखता था।

“जानते हो, चाइम्स,” उसने कहा, “विज्ञान मेरा जुनून है, और क़ानून मेरा कर्तव्य।”

लेकिन जब टॉम निर्माण और रोपण में व्यस्त था, तब तेरह उपनिवेशों के क़ानूनों को लोगों द्वारा चुनौती दी जा रही थी। ये क़ानून लंदन की अंग्रेज़ी संसद में ऐसे लोगों द्वारा बनाए गए थे, जिन्होंने कभी अमेरिका की धरती पर कदम भी नहीं रखा था। और अक्सर ये क़ानून करों से जुड़े होते थे। लोगों को लगता था कि उन पर अन्यायपूर्ण ढंग से कर लगाए जा रहे हैं।

"प्रतिनिधित्व के बिना कर लगाना, यह अत्याचार है!" अमेरिकियों ने नारा लगाया। संसद के लोगों ने कोई ध्यान नहीं दिया। इसके बजाय उन्होंने चाय पर कर लगा दिया। फिर उन्होंने कहा कि केवल एक ही कंपनी—ईस्ट इंडिया कंपनी—उपनिवेशों में चाय ला सकती है। अमेरिका के लोग बहुत क्रोधित हो गए!

बोस्टन में देशभक्तों का एक समूह था, जिसे सन्स ऑफ़ लिबर्टी, यानि स्वतंत्रता के पुत्र, कहा जाता था। जब दिसंबर 1773 में ईस्ट इंडिया कंपनी के चाय के जहाज़ बोस्टन के बंदरगाह में पहुँचे, तो उन्होंने गवर्नर को संदेश भेजा। चाय के जहाज़ों को इंग्लैंड वापस भेज दिया जाना चाहिए। गवर्नर ने इनकार कर दिया। तब सन्स ऑफ़ लिबर्टी ने खुद को मोहॉक रेड इंडियनों के वेश में छिपाया और बंदरगाह की ओर धावा बोल दिया। वे जहाज़ों पर चढ़ गए और चाय के तीन सौ से अधिक विशाल संदूक समुद्र में फेंक दिए। इसे बोस्टन टी पार्टी कहा गया।

अब ब्रिटिश क्रोधित हो गए। 1 जून 1774 को उन्होंने बोस्टन के बंदरगाह को बंद करके उपनिवेशों को दंडित करने की कोशिश की।

“यह तो बहुत भयानक है!” टॉम ने चाइम्स से कहा। “सबसे बुरी बात यह है कि यहाँ वर्जीनिया के लोग शायद यह न समझें कि एक उपनिवेश की परेशानी, बाकी सबकी परेशानी भी होनी चाहिए।” “लेकिन उन्हें यह समझना ही होगा!” चाइम्स ने कहा। “क्या हम भला कुछ कर सकते हैं?”

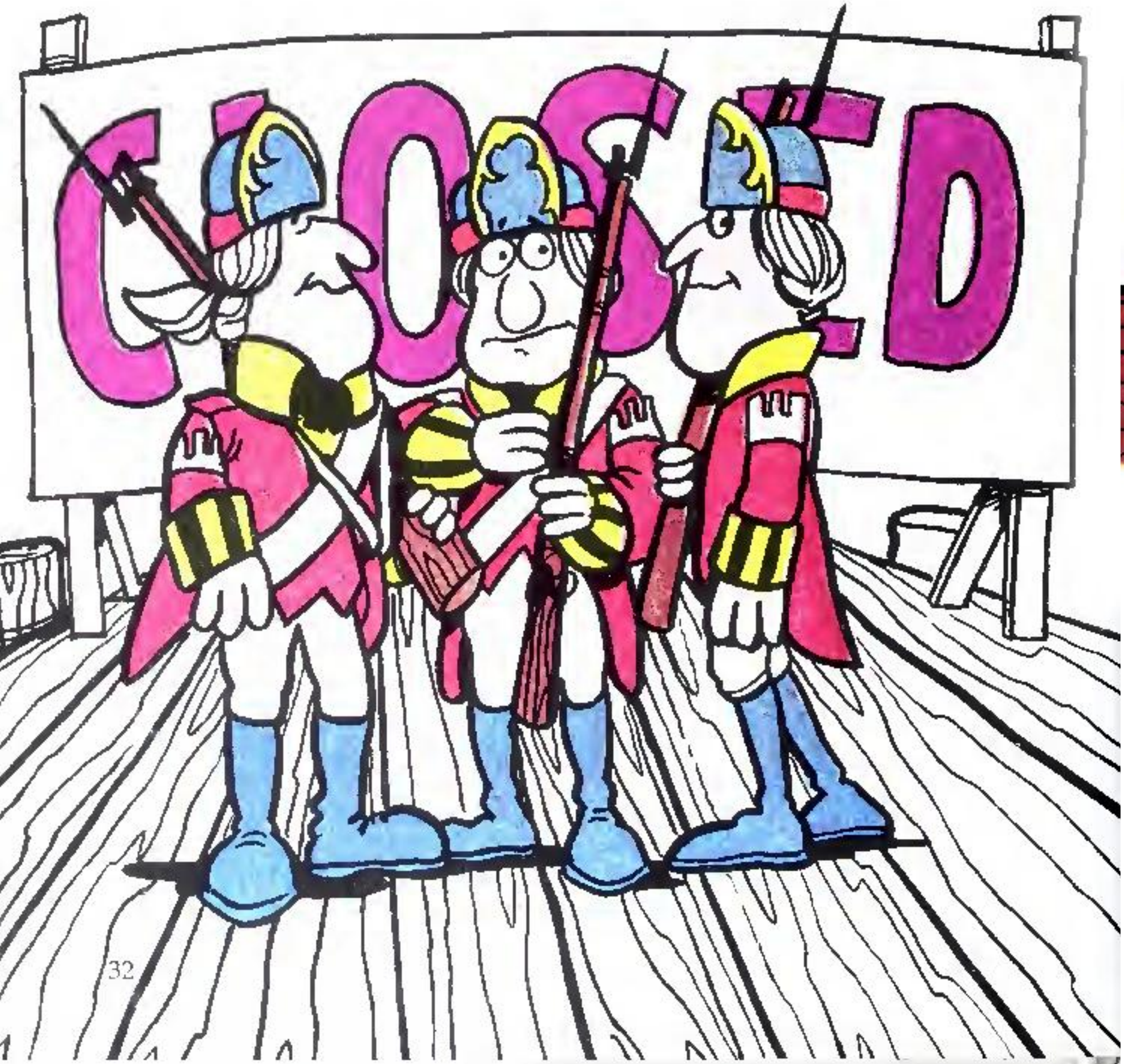

टॉम ने सिर हिलाया। “शायद कुछ किया जा सकता है,” उसने कहा। फिर उसने हाउस ऑफ़ बर्गेसेज़ से 1 जून को उपवास और प्रार्थना का दिन घोषित करवाया, ताकि बंदरगाह बंद किए जाने के विरोध में आवाज़ उठाई जा सके।

जेफ़रसन ने ब्रिटिश अमेरिकियों के अधिकारों पर एक लेख लिखा। उसमें टॉम ने कहा कि अंग्रेज़ी संसद को उपनिवेशों में हस्तक्षेप का कोई अधिकार नहीं है। उसने यह भी कहा कि उपनिवेशवासियों की इंग्लैंड के राजा के प्रति निष्ठा उनकी अपनी स्वतंत्र इच्छा से होनी चाहिए, न कि ज़बरदस्ती से।

“लंदन में उन्हें यह पसंद नहीं आएगा,” चाइम्स ने कहा। “दरअसल, कुछ अमेरिकियों को भी यह अच्छा नहीं लगेगा।”

चाइम्स सही था। लंदन में किसी को भी टॉम के विचार पसंद नहीं आए। और कई उपनिवेशवासियों को लगा कि टॉम बहुत ज़्यादा आलोचनात्मक हो गया है। फिर भी, जेफ़रसन उपनिवेशवासियों के अधिकारों से जुड़े विषयों पर एक लेखक के रूप में पहचाना जाने लगा।

अमेरिका में देशभक्तों ने सूचनाओं और विचारों के आदान-प्रदान के लिए समितियाँ बना ली थीं। 1774 में इन समितियों के सदस्यों ने उपनिवेशों की एक कांग्रेस बुलाने का आह्वान किया। तेरह में से बारह उपनिवेशों ने अपने प्रतिनिधि फ़िलाडेल्फ़िया, पेंसिल्वेनिया भेजे, इस कॉन्टिनेंटल कांग्रेस के लिए। उनका मानना था कि अगर वे एकजुट होकर बोलें, तो वे ब्रिटिश सरकार को अपने अधिकारों को मान्यता देने के लिए मना सकते हैं।

पहली कॉन्टिनेंटल कांग्रेस सफल नहीं हुई। अप्रैल 1775 में देशभक्तों और ब्रिटिशों के बीच युद्ध छिड़ गया।

अब तक थॉमस जेफ़रसन यह बताने वाले कई शानदार लेख लिख चुके थे कि अमेरिका को ब्रिटिश शासन से मुक्त क्यों होना चाहिए। टॉम दूसरी कॉन्टिनेंटल कांग्रेस का हिस्सा बनने के लिए फ़िलाडेल्फ़िया रवाना हुए।

"यह मेरे लिए सम्मान की बात है, चाइम्स," टॉम ने कहा। "मैं जॉन ऐडम्स और बेंजामिन फ़्रैंकलिन जैसे लोगों के साथ काम करूँगा! और यह कांग्रेस पहली जैसी नहीं होगी। यह कांग्रेस सचमुच काम करेगी!"

फ़िलाडेल्फ़िया पहुँचने के बाद, टॉम जेफ़रसन को पता चला कि उनके लिए वास्तव में क्या तय किया गया है।

एक समिति नियुक्त की गई थी, जिसका काम दुनिया के सामने यह घोषणा करना था कि अमेरिका एक स्वतंत्र और स्वाधीन देश है। टॉम को उस समिति का सदस्य बनाया गया। और चूँकि वह अपने लेखन के लिए पहले से प्रसिद्ध था, उससे समूह के विचारों को लिखित रूप देने को कहा गया।

टॉम एक साहसी युवक था, लेकिन ऐसी घोषणा लिखने का विचार उसे डरा रहा था। "मैं इसके लिए मतदान कर रहा हूँ," उसने कहा। उसने मैसाचुसेट्स के प्रतिनिधि जॉन ऐडम्स की ओर देखा। "आप ही घोषणा क्यों नहीं लिखते?" उसने सुझाव दिया।

ऐडम्स ने सिर हिलाया। "तुम मुझसे दस गुना बेहतर लिखते हो," उसने टॉम से कहा।

“ओह, चाइम्स,” टॉम ने आह भरी, जब वह अकेला था। क़लमें तैयार थीं, और उसके पोर्टेबल लेखन-डेस्क पर साफ़, खाली कागज़ रखा था। “यह सबसे बड़ा काम है जो मैंने कभी किया है। शायद यह मेरे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण काम होगा!”

“तो लिखते समय, हमेशा की तरह आगे की सोचो,” चाइम्स ने कहा। “सोचो कि यह देश आज़ाद होने के बाद कैसे एक महान राष्ट्र बन सकता है।”

टॉम ने सिर हिलाया। “मुझे बहुत सरल और बहुत दृढ़ शब्दों में लिखना होगा।”

सरल और दृढ़—दोनों होना आसान नहीं होता। सत्रह दिनों के बाद, टॉम अपनी घोषणा लेकर कांग्रेस में लौटा। यह कोई लंबा दस्तावेज़ नहीं था, लेकिन इसमें ऐसे कथन थे, जिन्होंने देशभक्तों के दिलों की धड़कन तेज़ कर दीं।

जेफ़रसन ने लिखा था कि “सभी मनुष्य समान पैदा होते हैं” और यह कि लोगों के कुछ अधिकार होते हैं, जिनमें “जीवन, स्वतंत्रता और सुख की खोज” (Life, liberty and pursuit of happiness) का अधिकार भी शामिल है!

कांग्रेस के प्रतिनिधियों ने जेफ़रसन की घोषणा में एक-दो बदलाव किए। फिर फ़िलाडेल्फ़िया आए उन महान पुरुषों ने—जो एक नए राष्ट्र की नींव रख रहे थे—स्वतंत्रता की घोषणा (Declaration of Independence) पर हस्ताक्षर करना शुरू किया, और उसे बनाए रखने के लिए अपने जीवन, अपनी संपत्ति और अपने सम्मान को गिरवी रख दिया।

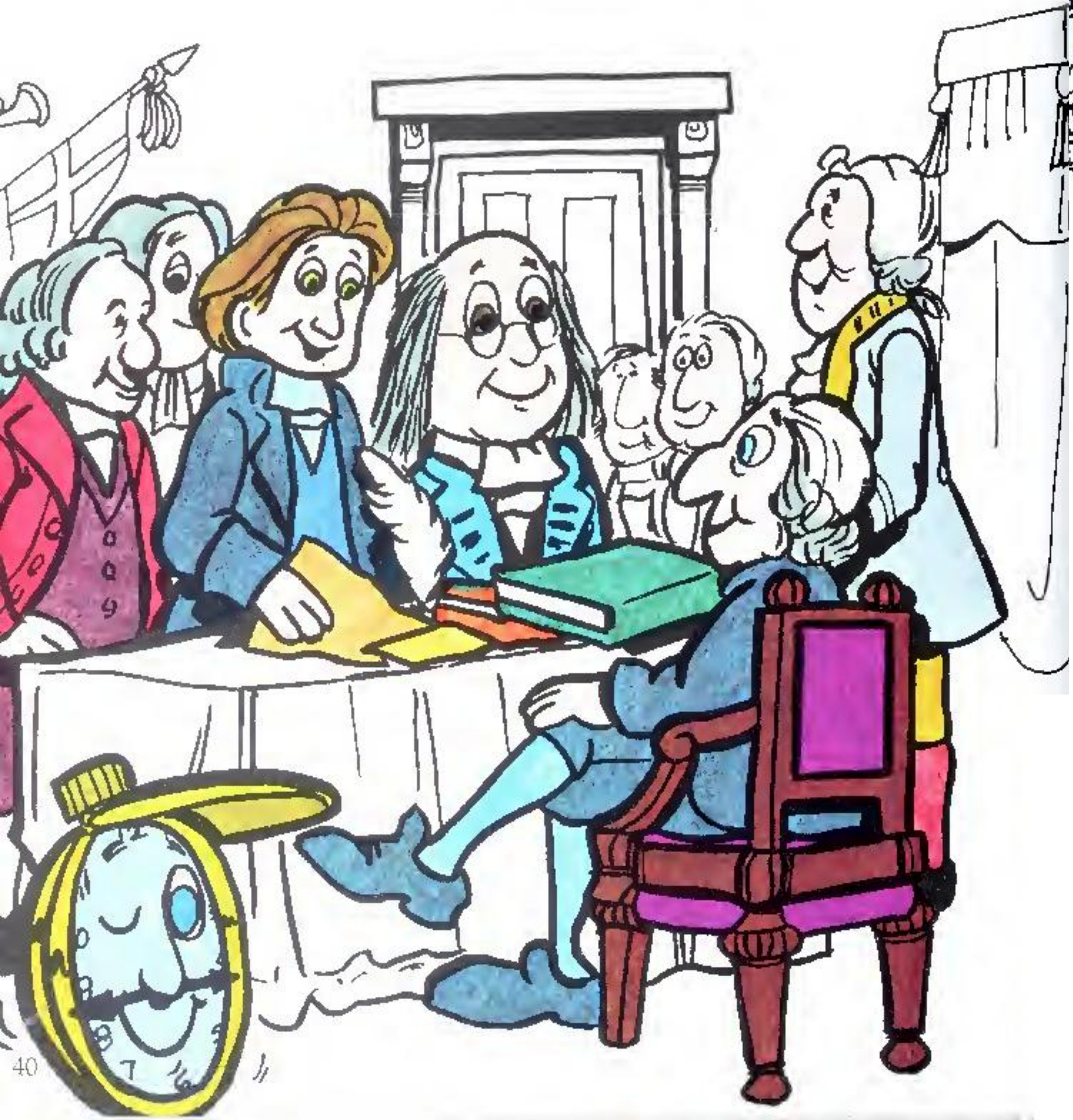

हस्ताक्षर पूरे होने पर उत्सव मनाए गए। शहर में चर्च की घंटियाँ बज उठीं। परेड भी निकलीं। लोग वर्दी पहने अमेरिकी सैनिकों के मार्च करते हुए गुजरने पर उनका जयकारा कर रहे थे।

यह 4 जुलाई, 1776 था—हमारे राष्ट्र का जन्मदिन।

लेकिन घंटियों की आवाज़ और परेड ज़्यादा समय तक नहीं चलीं। ब्रिटिशों ने अमेरिका की स्वतंत्रता को मानने से इनकार कर दिया। लड़ाई जारी रही—दरअसल, यह पाँच और वर्षों तक चली। अंततः ब्रिटिशों को समझ आ गया कि वे जीत नहीं सकते, और 1781 में ब्रिटिश जनरल कॉर्नवालिस ने यॉर्कटाउन में अमेरिकी सेनाओं के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

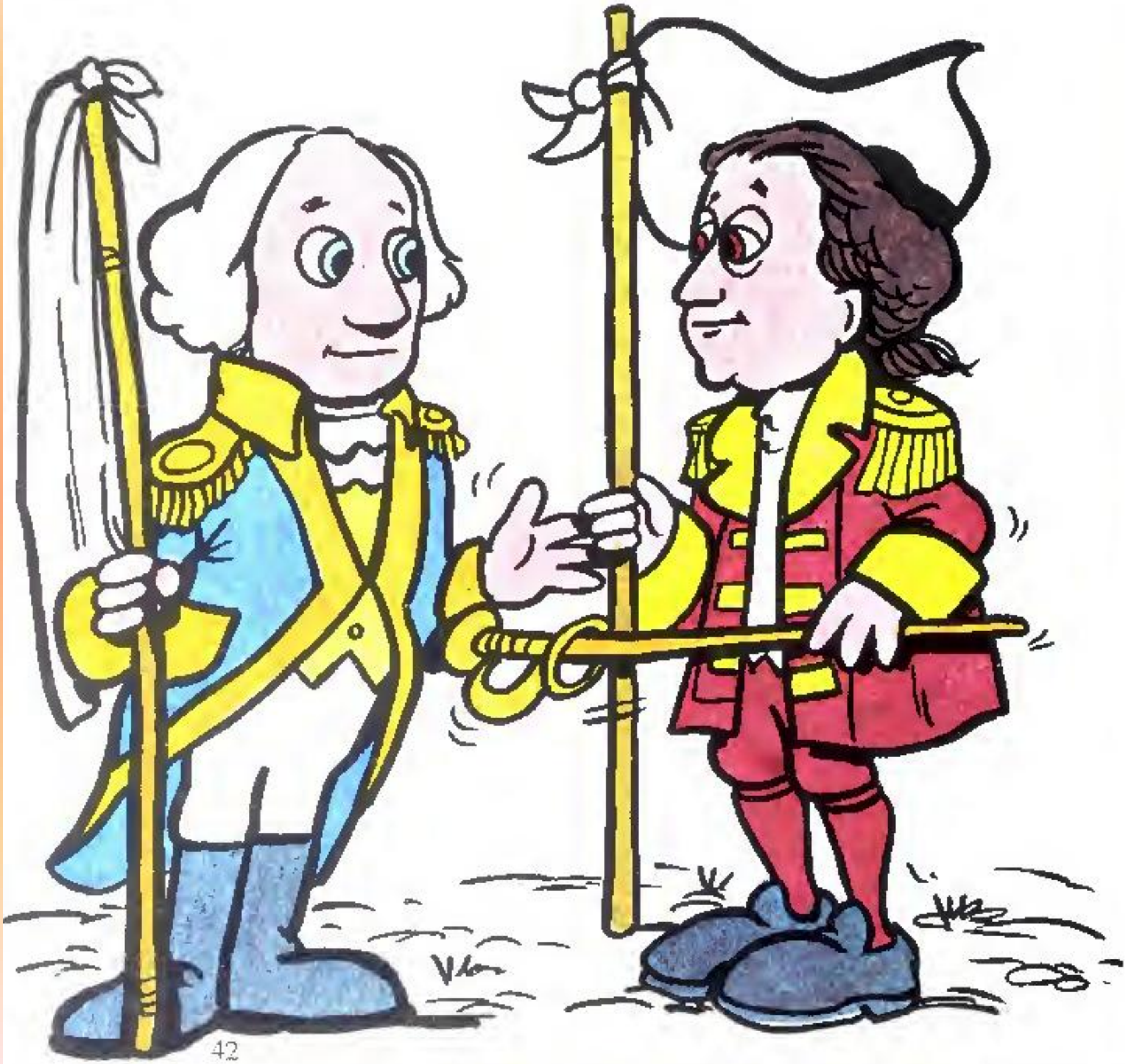

युद्‌ध के एक हिस्से के दौरान, टॉम जेफ़रसन वर्जीनिया का गवर्नर था। जब उसके राज्य पर ब्रिटिश सैनिकों ने आक्रमण किया, तो टॉम ने ही मिलिशिया को बुलाने का आदेश दिया। और एक दिन, जब टॉम मोंटीसेलो में शांतिपूर्वक अपने कर्तव्यों में लगा हुआ था, एक युवा अधिकारी दौड़ता हुआ अंदर आया।

“मिस्टर जेफ़रसन, ब्रिटिश अब शार्लोट्सविल में हैं,” उस युवक ने कहा। “उनका एक दल आपको गिरफ़्तार करने के लिए यहाँ आ रहा है!”

जेफ़रसन ने उस युवक को विनम्रता से धन्यवाद दिया। वह पहले ही मार्था और बच्चों को पड़ोसियों के यहाँ भेज चुका था। जब वह घर से बाहर निकला, तो दूर उसे सैनिक और उनके घोड़े दिखाई दे रहे थे।

पेड़ों की छाया की आड़ में, जेफ़रसन अस्तबल की ओर दौड़ा।

"मुझे जल्दी निकलना होगा," उसने सोचा।

"यही एकमात्र रास्ता है," चाइम्स ने कहा। "ज़्यादा दूरदर्शिता की ज़रूरत नहीं है यह समझने के लिए कि ब्रिटिश वर्जीनिया के गवर्नर—और स्वतंत्रता की घोषणा के लेखक—को पकड़ना वे कितना ज़रूरी समझते हैं।"

जब ब्रिटिश सरपट दौड़ते हुए मोंटीसेलो पहुँचे और वहाँ जेफ़रसन का कोई निशान नहीं मिला, तो वे निराश हो गए। लेकिन उन्होंने कोई नुकसान नहीं पहुँचाया। ब्रिटिशों के चले जाने के बाद जब जेफ़रसन अपने घर लौटा, तो उसे वह लगभग वैसा ही मिला जैसा वह छोड़कर गया था।

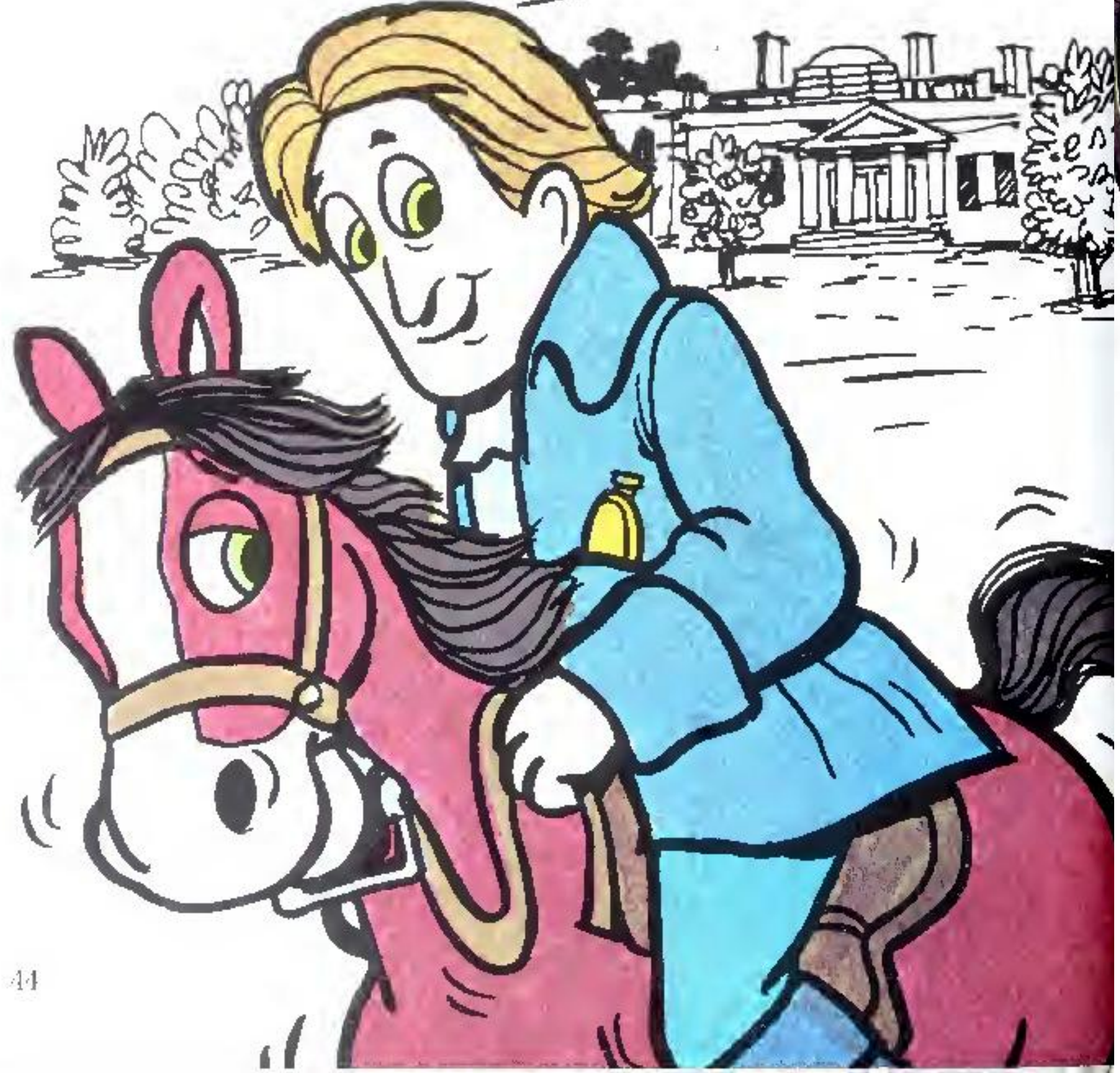

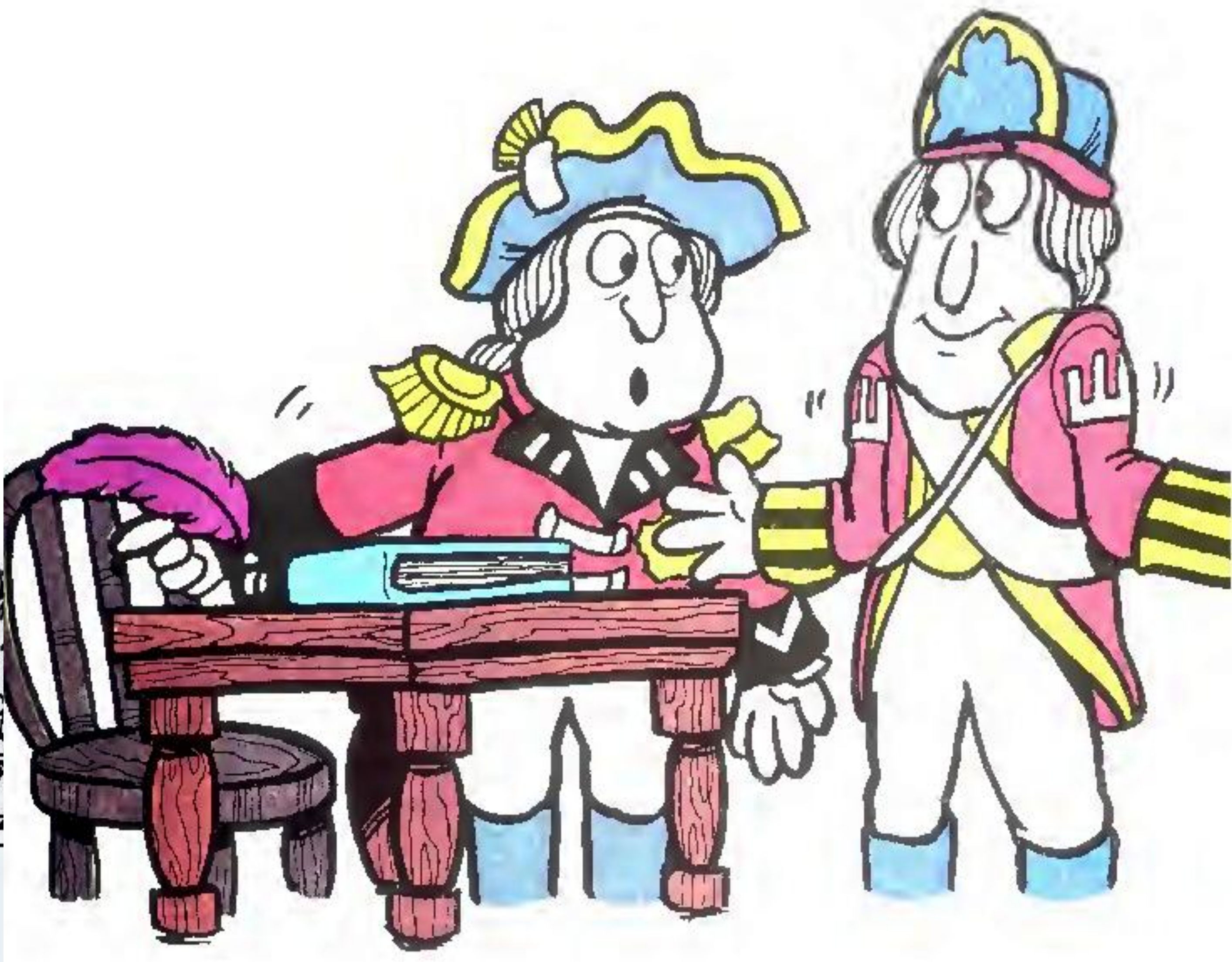

जेफ़रसन खुश था कि उसका प्रिय मोंटीसेलो सुरक्षित रहा, क्योंकि वह घर उसके लिए एक जीवित प्राणी जैसा बन गया था। उसने उसकी योजना बनाने और निर्माण में, और उसके लिए अनोखे उपकरण ईजाद करने में—जैसे घूमने वाली कुर्सी और तोप के गोलों वाले वज़न की घड़ी—बहुत समय और ऊर्जा लगाई थी। घर दिन-ब-दिन और अधिक रोचक और और भी सुंदर होता गया।

लेकिन मोंटीसेलो लौटने के कुछ ही समय बाद, टॉम जेफ़रसन पर एक भयानक दुख टूट पड़ा।

उसकी प्रिय अर्धांगिनी मार्था का निधन हो गया।

शुरू में ऐसा लगा कि जेफ़रसन फिर कभी खुश नहीं हो पाएगा। वह मोंटीसेलो की लाइब्रेरी में ऊपर-नीचे टहलता रहता—ऊपर-नीचे, ऊपर-नीचे—दिन-रात।

“टॉम, ऐसे काम नहीं चलेगा” चाइम्स ने फुसफुसाकर कहा। “तुम्हें घर से बाहर निकलना होगा और अपना बाकी का जीवन जीना होगा।”

लेकिन फिर भी टॉम जेफ़रसन चहलकदमी करता रहा और शोक में डूबा रहा।

“तुम्हारे बच्चों का क्या?” चाइम्स ने चेतावनी दी। अब जेफ़रसन ने ध्यान दिया, क्योंकि वह जानता था कि चाइम्स की आवाज़ उसकी अपनी अंतरात्मा की आवाज़ है।

“तुम हमेशा से समझदार और दूरदर्शी व्यक्ति रहे हो,” चाइम्स ने कहा। “अगर तुम अपने दुख में खुद को दफ़ना लोगे, तो तुम्हारे बच्चों का क्या होगा? और तुम्हारे देश का क्या? युद्ध तो अब समाप्त हो गया है, लेकिन एक नए राष्ट्र को बनाने का असली काम अभी बाकी है। क्या तुम उसका हिस्सा नहीं बनना चाहते?”

तुम्हें क्या लगता है, इन बातों के बारे में सोचकर टॉम जेफ़रसन ने क्या किया?

उसने अपने दुख पर काबू पाने की बहुत कोशिश की। यह बेहद कठिन था। कई महीने बीत गए, लेकिन आखिर वह दिन आया जब वह फिर से राजनीति में लौटा।
धीरे-धीरे टॉम को अच्छा महसूस होने लगा। उसके लिए चीज़ें बेहतर होने लगीं।

और 1786 में उसे गर्व महसूस हुआ, जब वर्जीनिया हाउस ऑफ़ डेलीगेट्स ने धार्मिक स्वतंत्रता की स्थापना के लिए उसका विधेयक पारित किया।

“शायद अब हम समझने लगे हैं कि किसी आदमी को ज़बरदस्ती किसी खास तरह से सोचने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता,” उसने कहा।

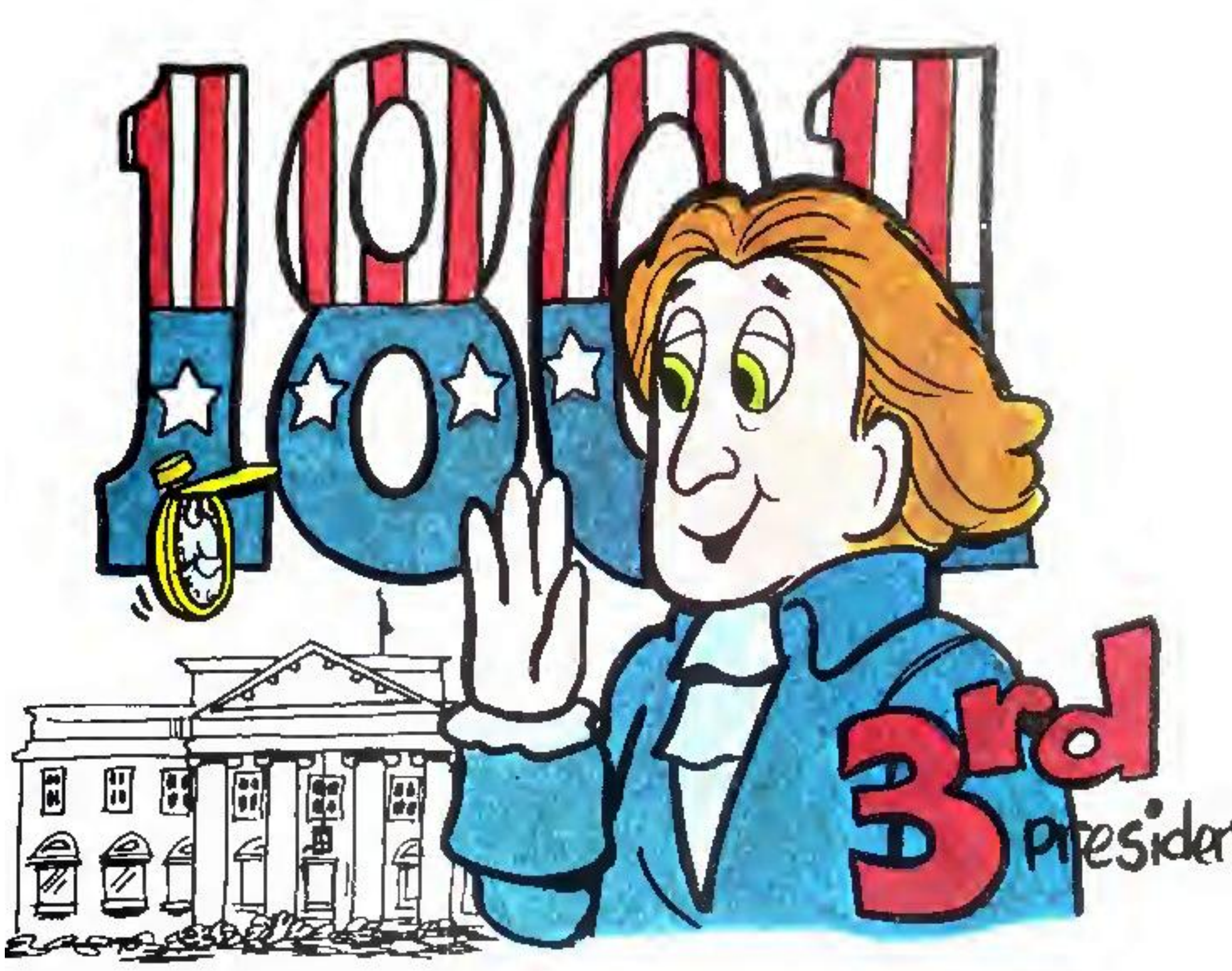

1789 में, जॉर्ज वॉशिंगटन ने जेफ़रसन को अपना विदेश मंत्री नियुक्त किया, और 1796 में टॉम जॉन ऐडम्स के अधीन वह उपराष्ट्रपति बने। फिर 1800 में लोगों ने थॉमस जेफ़रसन को संयुक्त राज्य अमेरिका का तीसरा राष्ट्रपति चुना।

“यह एक बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी है,” जेफ़रसन ने सोचा, जब वह व्हाइट हाउस में रहने आये।

लेकिन तभी उन्हें ऐसा लगा जैसे वह अपने छोटे से मित्र की घंटी जैसी आवाज़ सुन रहे हों। “तुम कर सकते हो,” उस आवाज़ ने कहा। “उसे वैसे ही करो जैसे तुम सब कुछ करते हो—अच्छी समझ और बड़ी सावधानी के साथ।”

निस्संदेह, जेफ़रसन अपने ही दूरदर्शी कार्यों के परिणामों से घिरे हुए थे। उन्होंने वॉशिंगटन शहर की योजना बनाने में मदद की थी, और वहीं शपथ लेने वाले वह पहले राष्ट्रपति थे।

लेकिन नए राष्ट्रपति की चिंताएँ वॉशिंगटन से कहीं आगे तक फैली हुई थीं। उदाहरण के लिए, न्यू ऑरलियन्स का मामला था। यह एक महत्वपूर्ण बंदरगाह था, जो अमेरिकी व्यापार के लिए अत्यंत आवश्यक था, लेकिन वह फ्रांसीसियों के नियंत्रण में था।

“किसी दूसरे देश का इस महान बंदरगाह का मालिक होना ठीक नहीं लगता,” जेफ़रसन ने कहा। “यह बुद्धिमानी नहीं है, और यह हमारी सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है।”

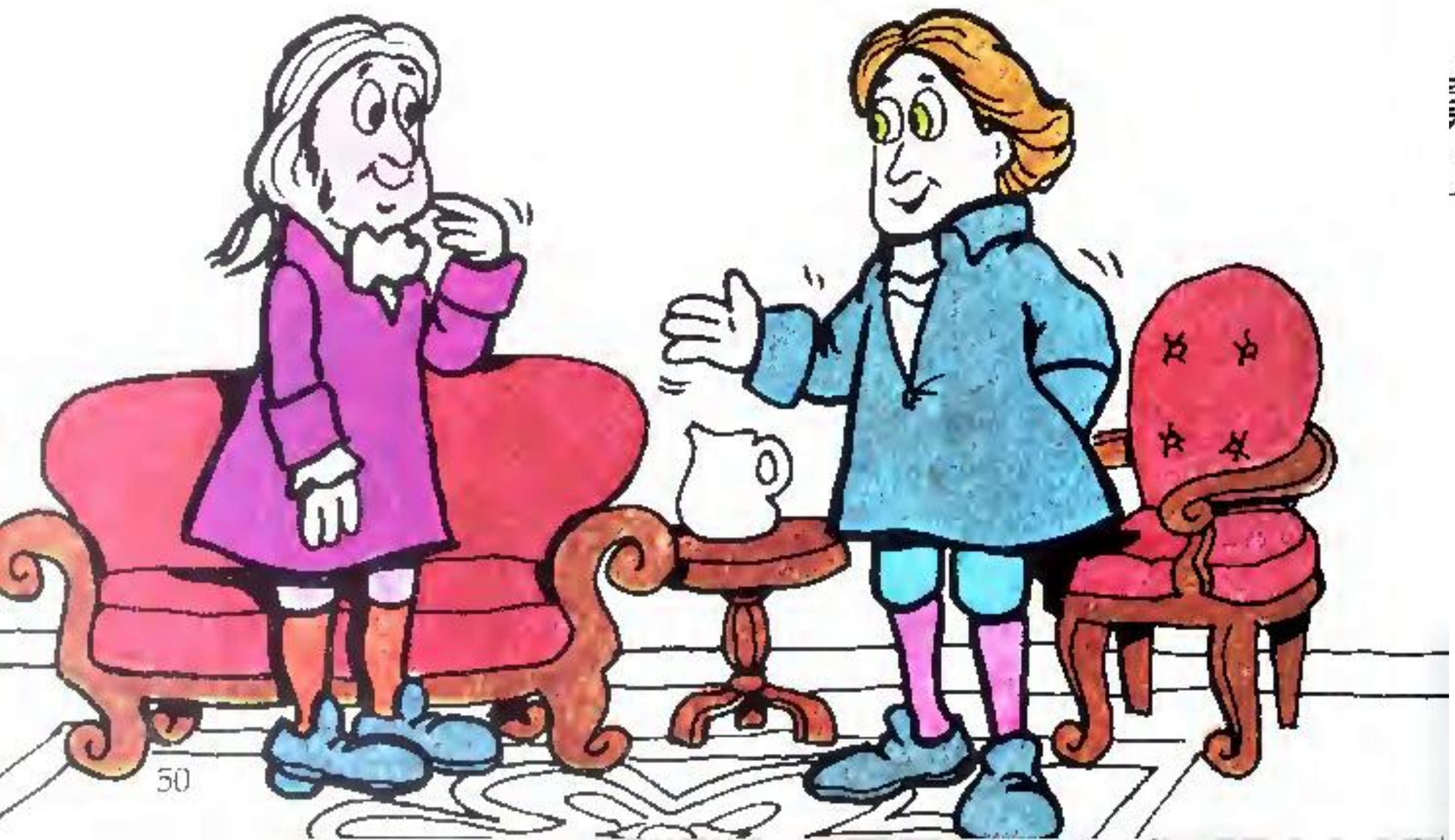

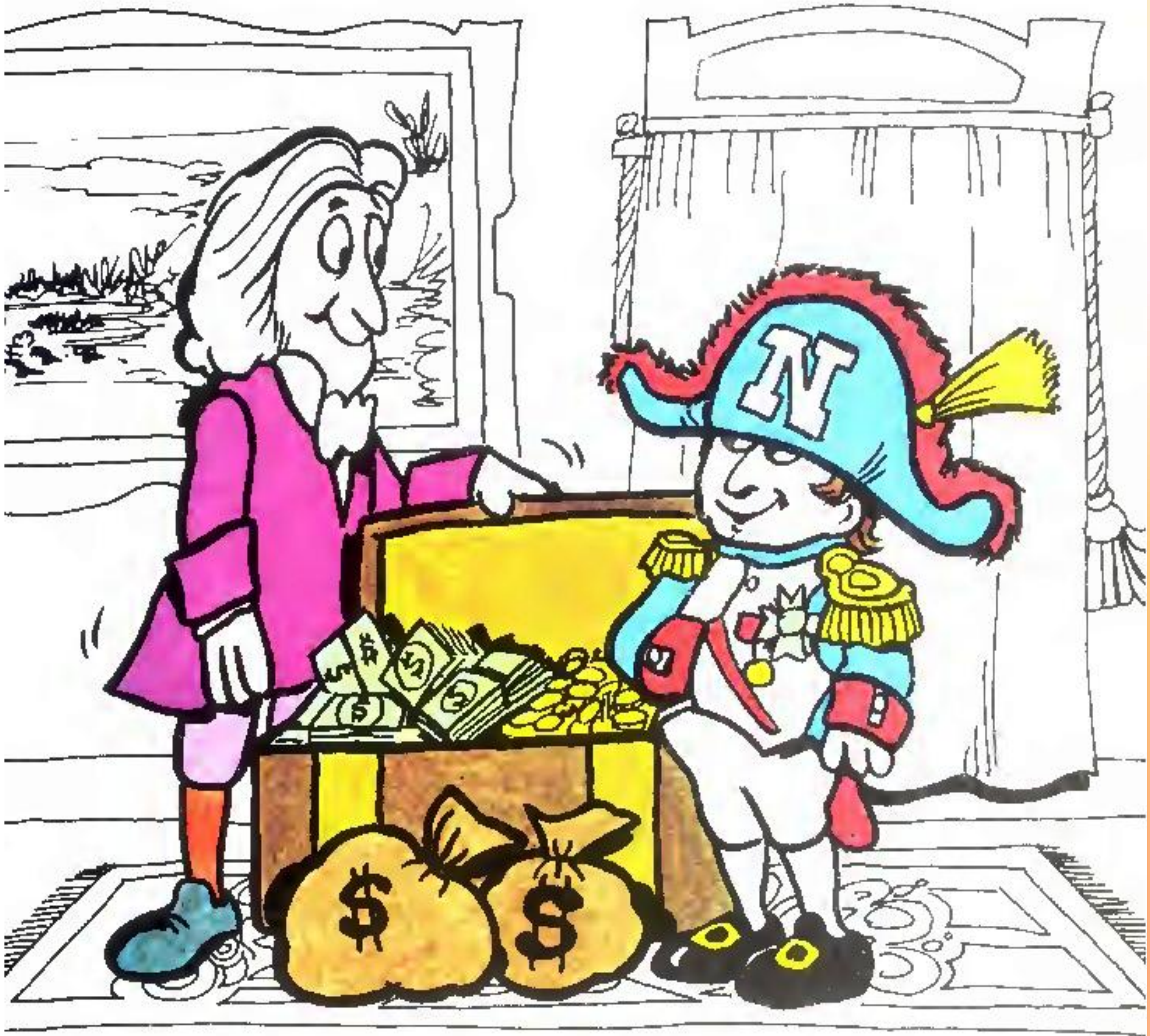

कांग्रेस द्वारा यह कहे जाने के बाद कि 20 लाख डॉलर खर्च किए जा सकते हैं, जेफ़रसन ने फ्रांस में अपने मंत्री रॉबर्ट लिविंग्स्टन को पत्र लिखकर निर्देश दिया कि वे फ्रांस के शासक नेपोलियन से न्यू ऑरलियन्स और वेस्ट फ़्लोरिडा ख़रीदने की कोशिश करें। इसके बाद जेफ़रसन ने बातचीत में सहायता के लिए जेम्स मुनरो को भी भेजा।

लिविंग्स्टन और मुनरो ने पाया कि नेपोलियन न्यू ऑरलियन्स बेचने के लिए काफ़ी तैयार था। वास्तव में, नेपोलियन पूरे लुइज़ियाना क्षेत्र को ही बेचना चाहता था।

“संयुक्त राज्य इस ज़मीन के बदले क्या देगा?” नेपोलियन के मंत्री टैलेरां ने पूछा।

यह प्रश्न सुनकर अमेरिकियों की साँसें थम-सी गईं। लुइज़ियाना क्षेत्र एक विशाल इलाक़ा था—8,27,000 वर्ग मील से भी अधिक। इसकी उत्तरी सीमा कनाडा से लगती थी, और यह पश्चिम में कोलोराडो, वायोमिंग और मोंटाना के कुछ हिस्सों तक फैला हुआ था।

“हमारा देश अभी नया है,” टॉम जेफ़रसन ने सोचा, जब उन्हें टैलेरां का प्रस्ताव पता चला। “हम आगे भी बढ़ते रहेंगे। इससे पहले कि काम पूरा हो, हमें और जगह की ज़रूरत पड़ेगी।” और 1803 में उन्होंने पूरा क्षेत्र 1.5 करोड़ डॉलर में ख़रीद लिया—यानी प्रति एकड़ लगभग तीन सेंट!

“अब तो तुम सचमुच दूरदर्शिता दिखा रहे हो!” चाइम्स ने कहा। फ़िलाडेल्फ़िया में स्वतंत्रता की घोषणा पर हस्ताक्षर के बाद से वह इतना उत्साहित नहीं हुआ था।

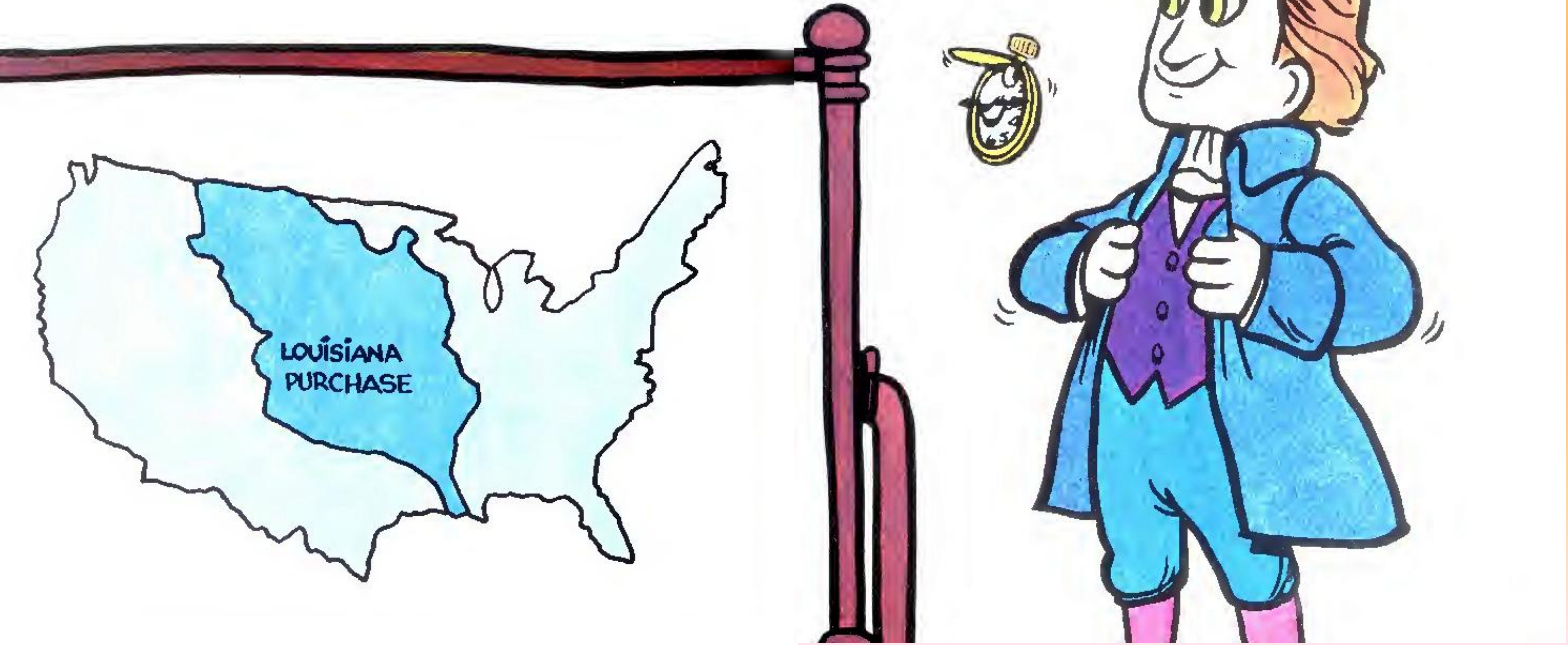

लुइज़ियाना क्षेत्र प्राप्त करते ही जेफ़रसन ने कैप्टन मेरिवेदर लुईस को बुलाया। लुईस राष्ट्रपति के पुराने मित्र थे, और जेफ़रसन जानते थे कि वे एक कुशल नेता और अन्वेषक हैं।

“मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि हम अपने देश के बारे में और जानें,” जेफ़रसन ने लुईस से कहा। “हमारे पास सैकड़ों-हज़ारों एकड़ ज़मीन है जिसे हमने कभी देखा तक नहीं। कुछ लोग कहते हैं कि मिसूरी नदी का अनुसरण करते हुए प्रशांत महासागर तक पहुँचना आसान होगा। तुम्हारा क्या विचार है?”

लुईस मुस्कराए, क्योंकि उन्हें अच्छी तरह पता था कि राष्ट्रपति जेफ़रसन के मन में क्या है।

“मुझे लगता है हमें जाकर पता लगाना चाहिए,” उन्होंने कहा।

“और मुझे लगता है कि कांग्रेस इस अभियान के लिए धन मंज़ूर कर देगी,” जेफ़रसन ने ख़ुशी से कहा। उनकी वैज्ञानिक जिज्ञासा जाग उठी थी, और पश्चिम की इस यात्रा तथा लुईस द्वारा लाई जाने वाली जानकारी के विचार से वे बहुत उत्साहित थे।

लुईस ने विलियम क्लार्क को अपने साथ दूसरे कमांडर के रूप में आने के लिए कहा। मई 1804 में ये दोनों अन्वेषक मिसूरी के सेंट लुईस से चालीस अच्छी तरह प्रशिक्षित लोगों के दल के साथ निकले। वे मिसूरी नदी के सहारे नॉर्थ डकोटा तक गए और फिर 1805 की सर्दियाँ वहाँ के रेड इंडियन गाँवों में बिताईं।

जब वसंत आया, तो वे जितना संभव हो सका, पानी के रास्ते आगे बढ़े। फिर उन्होंने रॉकी पर्वत और बिटररूट पर्वत पार किए। अंततः वे उन क्षेत्रों में पहुँचे जहाँ नदियाँ पश्चिम की ओर, प्रशांत महासागर की ओर बहती थीं।

उनकी यात्रा में दो साल से अधिक समय लगा और इसने उन्हें, अन्य बातों के साथ, यह सिखाया कि अमेरिकी महाद्वीप को ज़मीन के रास्ते पार करना आसान नहीं है।

"अति रोमांचक यात्रा!" टॉम जेफ़रसन ने कहा, जब उन्होंने अन्वेषकों के नोट्स और डायरी पढ़ीं। "और यह एक अत्यंत उपयोगी यात्रा भी रही। अब हमें यहाँ से प्रशांत तक के इलाक़े के बारे में पता है—पहाड़, वनस्पति, मिट्टी, खनिज—और ख़ासकर रेड इंडियन लोगों के जीवन के बारे में।"

"दूरदर्शिता सचमुच फायदेमंद हो सकती है, है न?" चाइम्स ने कहा।

थॉमस जेफ़रसन जब राष्ट्रपति पद से सेवानिवृत्त हुए और अपने प्रिय मॉन्टीसेलो लौटे, तब उनकी उम्र छियासठ वर्ष थी। वे पहले की तरह ही योजनाओं और विचारों से भरे हुए थे।

"अब हम क्या करेंगे?" चाइम्स ने पूछा।

"हम एक विद्यालय बनाएँगे," जेफ़रसन ने घोषणा की। "मैं इमारतों की रूपरेखा बनाना चाहता हूँ, निर्माण की देखरेख करना चाहता हूँ, शिक्षकों का चयन करना चाहता हूँ। मैं पूरी योजना स्वयं बनाना चाहता हूँ!"

जेफ़रसन पूरे उत्साह के साथ इस परियोजना में जुट गए।

अब वे एक कुशल वास्तुकार थे, इसलिए उन्होंने इमारतों की योजनाएँ तैयार कीं। वे सर्वेक्षक भी थे, इसलिए उन्होंने स्थानों की नाप-जोख की। वे पहले ईंट-चिनाई करने वालों और बढ़इयों के साथ काम कर चुके थे, और अब फिर वैसा ही किया। उन्होंने यूरोप से उस समय के श्रेष्ठ विद्वानों को वर्जीनिया के युवाओं को पढ़ाने के लिए बुलाया।

"मुझे लगता है कि तुम जो कार्य कर रहे हो, वह लम्बे समय तक टिकेगा," चाइम्स ने कहा, "और यह विद्यालय एक महान विश्वविद्यालय बनेगा।"

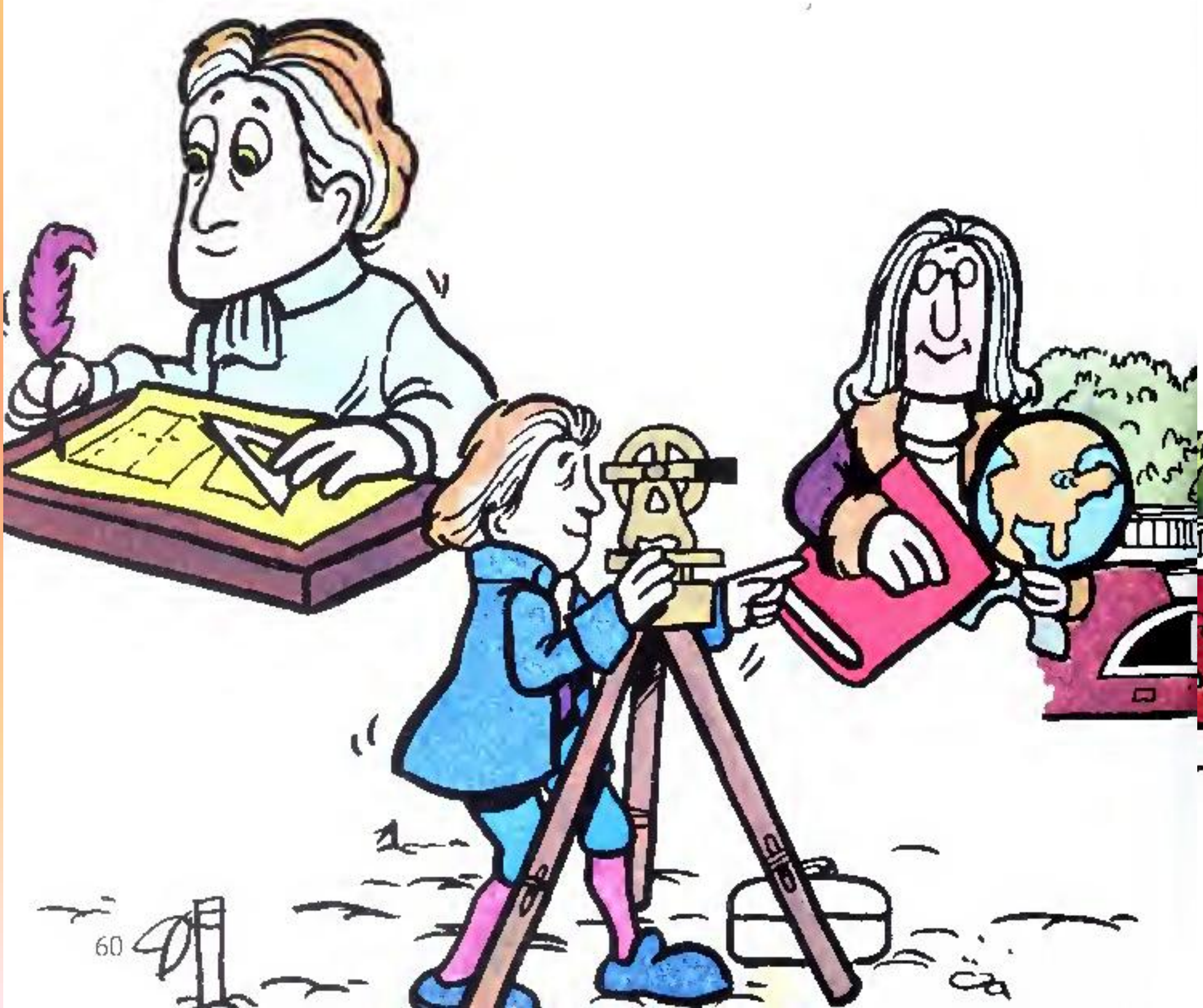

"मुझे भी यही आशा है," थॉमस जेफ़रसन ने कहा। "मैं आज जो कर रहा हूँ, वह केवल आज के लिए नहीं है—जैसे लुइज़ियाना ख़रीद केवल अपने समय के लिए नहीं थी, या स्वतंत्रता की घोषणा केवल 1776 के लिए नहीं थी। मैं जो कर रहा हूँ, वह हमारे लिए है और उनके लिए भी जो हमारे बाद आएँगे।"

1825 में, जब वर्जीनिया विश्वविद्यालय ने अपने द्वार खोले, तब जेफ़रसन बयासी वर्ष के थे। जिस देश की स्थापना में उन्होंने सहायता की थी, वह लगभग पचास वर्ष पुराना हो चुका था। जेफ़रसन एक प्रसन्न व्यक्ति थे।

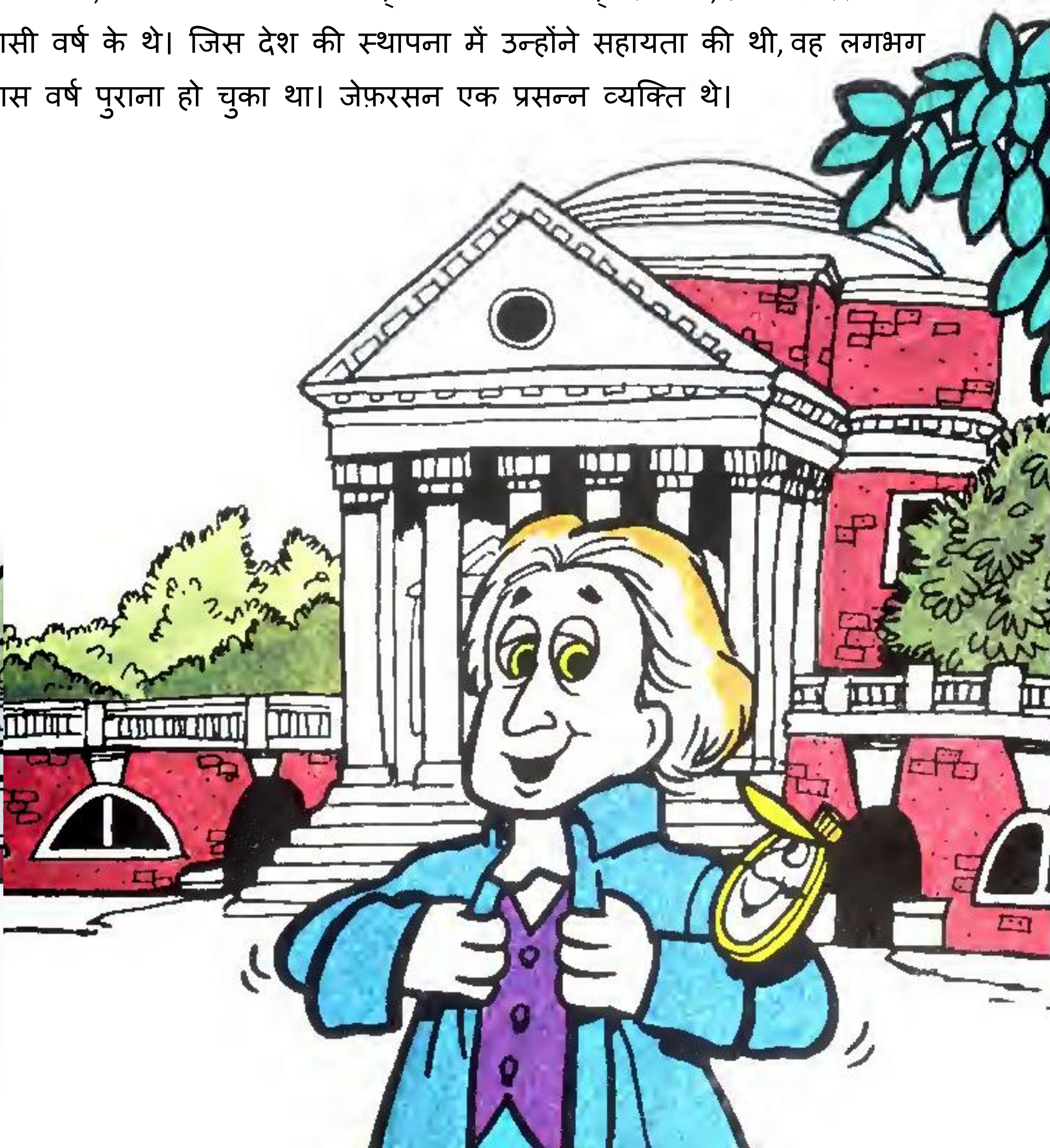

थॉमस जेफ़रसन उस समय में जीए जब इस राष्ट्र की स्थापना हो रही थी, और उन्होंने इसके भविष्य की योजना बनाने और उसे गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आज हम उसी समय में जी रहे हैं जिसके लिए उन्होंने योजना बनाई और निर्माण किया था। भविष्य के लिए निर्माण करने में दूरदर्शिता चाहिए, लेकिन क्या यह रोमांचक नहीं होगा कि हम कुछ ऐसा रचें जो दो सौ वर्षों तक—या उससे भी अधिक—टिका रहे?

THOMAS JEFFERSON
1743 1826

थॉमस जेफ़रसन का जन्म 13 अप्रैल को वर्जीनिया की एक तंबाकू बाग़ान शैडवेल में हुआ, जो उनके पिता पीटर जेफ़रसन की संपत्ति थी। थॉमस की माता, जेन रैंडॉल्फ़ जेफ़रसन, वर्जीनिया के एक प्रतिष्ठित परिवार की सदस्य थीं।

पीटर जेफ़रसन की मृत्यु तब हुई जब थॉमस चौदह वर्ष के थे। उन्होंने अपने पुत्र के लिए मूल्यवान भूमि छोड़ी और यह ज़ोर दिया कि उसे पूर्ण शिक्षा दी जाए। 1760 में जेफ़रसन ने वर्जीनिया की औपनिवेशिक राजधानी विलियम्सबर्ग स्थित कॉलेज ऑफ़ विलियम एंड मैरी में प्रवेश लिया। उन्होंने 1762 में स्नातक किया और फिर वर्जीनिया के श्रेष्ठ विधि विशेषज्ञों में से एक, जॉर्ज वाइथ के अधीन पाँच वर्षों तक क़ानून का अध्ययन किया।

हालाँकि जेफ़रसन एक सफल वकील बने, लेकिन उन्हें वकालत वास्तव में कभी पसंद नहीं आई। सात वर्षों बाद उन्होंने यह पेशा छोड़ दिया और राजनीति में आ गए। 1769 में वे वर्जीनिया हाउस ऑफ़ बर्जेसेज़ के सदस्य बने। सदन में उनका पहला क़दम दासों को मुक्त करने की अनुमति देने वाला एक विधेयक प्रस्तुत करना था, जो असफल रहा।

1772 में जेफ़रसन ने मार्था वेइल्स स्केल्टन, जो एक विधवा थीं, से विवाह किया। उनके साथ वे मॉन्टीसेलो में रहे—वह सुंदर घर जिसे उन्होंने स्वयं डिज़ाइन किया और बनवाया। उनके छह बच्चे थे—एक पुत्र और पाँच पुत्रियाँ।

इसी समय अनेक उपनिवेशवासी राजा जॉर्ज तृतीय के अधीन ब्रिटिश नियंत्रण और नीतियों से थकने लगे थे। उपनिवेशवासियों को विशेष रूप से शुगर एक्ट (1764), स्टैम्प एक्ट (1765) और टाउनशेंड एक्ट्स (1767) द्वारा लगाए गए करों पर घोर आपत्ति थी। जेफ़रसन ने ब्रिटिश प्रभुत्व के विरुद्ध निबंध लिखने शुरू किए। ये लेख व्यापक रूप से पढ़े गए और उन्हें एक उत्कृष्ट लेखक की प्रतिष्ठा दिलाई।

जब 1775 में थॉमस जेफ़रसन दूसरे कॉन्टिनेंटल कांग्रेस के वर्जीनिया प्रतिनिधि के रूप में फ़िलाडेल्फ़िया पहुँचे, तो उनसे स्वतंत्रता के पक्ष में लिखने को कहा गया। अगले वर्ष वे एक पाँच सदस्यीय समिति में नियुक्त किए गए, जिसमें बेंजामिन फ़्रैंकलिन और जॉन ऐडम्स भी शामिल थे, ताकि इंग्लैंड से औपचारिक स्वतंत्रता की घोषणा का मसौदा तैयार किया जा सके।

स्वतंत्रता की घोषणा लगभग पूरी तरह जेफ़रसन ने लिखी और 4 जुलाई 1776 को कांग्रेस के अन्य प्रतिनिधियों द्वारा इसे स्वीकृत और हस्ताक्षरित किया गया। जेफ़रसन 1776 से 1779 तक वर्जीनिया हाउस ऑफ़ डेलीगेट्स के सदस्य रहे। उन्होंने न्यायालयों के पुनर्गठन, सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली की स्थापना और वर्जीनिया में धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देने वाले विधेयक प्रस्तुत किए। उन्होंने 1779 से 1781 तक वर्जीनिया के गवर्नर के रूप में दो कार्यकाल पूरे किए, फिर अपने प्रिय मॉन्टीसेलो लौट आए, जहाँ उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक नोट्स ऑन वर्जीनिया लिखी।

1789 में वे राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन के अधीन पहले अमेरिकी विदेश मंत्री बने। 1800 के राष्ट्रपति चुनाव में ऐरन बर्र और थॉमस जेफ़रसन को समान संख्या में निर्वाचक मत मिले। प्रतिनिधि सभा ने निर्णय जेफ़रसन के पक्ष में दिया और वे संयुक्त राज्य के तीसरे राष्ट्रपति बने। 1803 में फ्रांस में उनके मंत्री ने लुइज़ियाना क्षेत्र ख़रीदा, जिससे संयुक्त राज्य का क्षेत्रफल लगभग दोगुना हो गया।

1804 में जेफ़रसन आसानी से पुनः राष्ट्रपति चुने गए। 1809 में उनके दूसरे कार्यकाल के अंत के बाद वे मॉन्टीसेलो लौट आए और सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली के लिए अपने अभियान को जारी रखा। उनका वर्जीनिया विश्वविद्यालय 1825 में खुला।

4 जुलाई 1826 को जब जेफ़रसन का निधन हुआ, तो उन्होंने अपना समाधि लेख स्वयं लिखा था: “स्वतंत्रता की घोषणा के लेखक, वर्जीनिया में धार्मिक स्वतंत्रता के क़ानून के रचयिता, और वर्जीनिया विश्वविद्यालय के जनक।” अपने लंबे जीवन में उन्होंने बहुत कुछ हासिल किया, लेकिन यही वे कार्य थे जिनके लिए वे सबसे अधिक स्मरण किए जाना चाहते थे।